PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 252 ● भिलाई, गुरुवार 16 अप्रैल 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

साय कैबिनेट का बड़ा फैसला

महिलाओं को जमीन रजिस्ट्री में 50 प्रतिशत छूट-सीएम साय

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए इसका प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में समिति गठित करने का फैसला किया। समिति नागरिकों, संगठनों और विशेषज्ञों से सुझाव लेकर ड्राफ्ट तैयार करेगी। मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ में यूसीसी लागू करने के संबंध में यूसीसी का प्रारूप तैयार करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में एक समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया तथा समिति के सदस्यों के मनोनयन के लिए मुख्यमंत्री को अधिकृत किया गया। छत्तीसगढ़ में वर्तमान में विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, दत्तक ग्रहण, भरण-पोषण एवं पारिवारिक मामलों से संबंधित विवादों में विभिन्न धर्मों के अनुसार अलग-अलग पर्सनल लॉ लागू हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने का निर्देश दिया गया है। अलग-अलग कानूनों के कारण वैधानिक प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न होती है, जिससे न्याय प्रक्रिया जटिल होती है। ऐसे में कानून को सरल, एकरूप और न्यायसंगत बनाने के लिए यूसीसी लागू करना आवश्यक माना जा रहा है, जिससे धार्मिक और लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। इसी दिशा में छत्तीसगढ़ में एक

उच्चस्तरीय समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है, जो राज्य के नागरिकों, संगठनों एवं विशेषज्ञों से व्यापक सुझाव लेकर यूसीसी का प्रारूप तैयार करेगी। यह समिति वेब पोर्टल के माध्यम से फीडबैक भी आमंत्रित कर सकती है। समिति की सिफारिशों के आधार पर तैयार प्रारूप को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत मंत्रिपरिषद से अनुमोदन के बाद विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे राज्य में एक समान और पारदर्शी नागरिक कानून व्यवस्था स्थापित हो सके। मंत्रिपरिषद ने महिलाओं के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है कि महिलाओं के नाम पर होने वाले भूमि रजिस्ट्रेशन पर लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी की जाएगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को संपत्ति अर्जन के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस निर्णय से सरकार को लगभग 153 करोड़ रुपये राजस्व की कमी होगी, लेकिन महिला सशक्तीकरण के लिए इसे महत्वपूर्ण कदम माना गया है। मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य के सेवारत सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं उनकी विधवाओं के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसके तहत उन्हें जीवनकाल में एक बार छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर 25 लाख रुपए तक की संपत्ति (भूमि/भवन) क्रय करने पर देय स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान किया जाएगा।

आदिवासियों को होगा नुकसान, अधिकार छीनना चाहती है सरकार-दीपक बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आज राज्य सरकार ने अहम कदम उठाया है। साय कैबिनेट की बैठक में यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए एक समिति गठित करने का फैसला लिया है, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई करेंगी। वहीं इस फैसले के बाद प्रदेश में सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने इसका विरोध करते हुए इसे आदिवासी अधिकारों के खिलाफबताया है। उन्होंने कहा कि यूसीसी के लिए कमेटी बनाने का निर्णय लिया है, कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती है। बीजेपी यूसीसी लागू करती है तो आदिवासियों के अधिकारों का हनन कर रही है। आदिवासियों के अधिकारों को यह समाप्त करना चाहती है।

संक्षिप्त समाचार

खून से लाल हुई सड़क दर्दनाक हादसे में 3 की मौत

मऊगंज। मध्य प्रदेश के मऊगंज में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां नेशनल हाइवे 135 पर खड़े ट्रेलर से बाइक टकरा गई। इस दुर्घटना में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। जिसके बाद यातायात पूरी तरह बाधित रहा। सूचना मिलने के करीब 1 घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची जबकि थाना महज 3 किलोमीटर दूर था, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है। वहीं इस हादसे के बाद इलाके में शोक का माहौल है। सभी मृतकों को मऊगंज पुलिस ने मर्चुरी में रखवा दिया है।

नोएडा में हुए बवाल पर बोले-यह सरकार की नाकामी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने नोएडा में मजदूरों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाए कि नोएडा की घटना को लेकर मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) और भाजपा सरकार जिम्मेदार है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को भीमराव अंबेडकर की जयंती पर लखनऊ में हजरतगंज चौराहा पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसी दौरान नोएडा में हुए हिंसक प्रदर्शन पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, जो नोएडा में हुआ है, यह सरकार की नाकामी के कारण हुआ है। सरकार को मामले की जानकारी थी, फिर भी ऐसी घटना होने दी। अगर अधिकारी कह रहे कि साजिश हुई है तो इसके लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं। सपा प्रमुख ने आगे कहा, मुख्यमंत्री से ज्यादा झूठ बोलने वाला कोई संत अभी तक नहीं हुआ है। हम नहीं कहते हैं, बल्कि बहुत सारे लोग कहते हैं कि वे नकली संत हैं। इन्हें संविधान से कोई लेना-देना नहीं है, क्योंकि संविधान से चलने वाले कभी किसी के साथ अन्याय नहीं कर सकते हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा की 10 साल की सरकार में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की बड़ी संख्या में प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाया गया है। आज वही लोग जो ऐसे कृत्यों में शामिल थे, चुनावों से पहले एक गुमराह करने वाला संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश की जनता भाजपा की साजिश और षड्यंत्रों से सावधान है और वह समझदार भी है।

नोएडा में हिंसा के बाद एक्शन, 300 गिरफ्तारियां और 7 एफआईआर

नोएडा। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर नोएडा में सोमवार को श्रमिकों का प्रदर्शन हिंसक हो गया। जगह-जगह उपद्रव और आगजनी की घटनाओं के बाद पुलिस ने 300 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया है और सात एफआईआर दर्ज की गई हैं। साथ ही, व्हाट्सएप ग्रुप्स की भी जांच की जा रही है। बीते शनिवार को इकोटेक-3 थाना क्षेत्र में एक फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन के दौरान गोली लगने से एक महिला श्रमिक के घायल होने के बाद से ही माहौल तनावपूर्ण था।

अभिषेक का आयोग को खुली चेतावनी

दिल्ली और बिहार वालों को यहां वोट नहीं डालने देंगे

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में होने जा रहे चुनाव में वोट देने का अधिकार केवल बंगाल में रहनेवाले लोगों को मिलेगा. हम ऐसे किसी को यहां वोट नहीं देने देंगे जो दिल्ली या बिहार में हुए चुनाव में वोट डाल चुके हैं. तृणमूल के दूसरे सबसे बड़े नेता ने चुनाव आयोग को चेतावनी देते हुए कहा-अगर कोई तीन महीने पहले बिहार में वोट डालने वाला अब यहां वोट डालने आता है, तो तृणमूल कार्यकर्ता उसे वोट नहीं देने देंगे. महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बंगाल में भाजपा बाहरी वोटरों के मतों से जीतना चाहती है,

जो हम नहीं होने देंगे. बंगाल में कई गैर-बंगाली हैं, मुझे उनसे कोई आपत्ति नहीं है. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को होना है. चुनाव आयोग ने नये वोटर लिस्ट में करीब एक करोड़ पुराने नाम को काट दिया है.

उत्तराखंड के देहरादून में दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे के उद्घाटन के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा सम्मानित किया गया.

मालदा में गृहमंत्री शाह ने कहा

कोई माई का लाल बाबरी मस्जिद नहीं बना सकता..

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में बाबरी मस्जिद का मुद्दा गरमाता हुआ दिख रहा है। मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने ममता बनर्जी के साथ हुमायूं कबीर पर भी हमला बोला। अमित शाह ने कहा कि बीजेपी की जीत के बाद कोई माई का लाल राज्य में बाबरी मस्जिद से मिलती-जुलती मस्जिद का निर्माण नहीं करा पाएगा। शाह ने विधानसभा चुनाव में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस, दोनों को चुनौती दे रहे आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एजेंट तक करार दिया। पश्चिम बंगाल में कैंप कर रहे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने

मंगलवार को एक साथ ममता बनर्जी और हुमायूं कबीर को निशाने पर लिया। उन्होंने हुमायूं कबीर को ममता बनर्जी का एजेंट बताया।अमित शाह ने मालदा के गाजोल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि ममता दीदी और हुमायूं कबीर मेरी बात ध्यान से सुनें!

सबरीमाला मंदिर महिलाओं की एंट्री मामले में

कोर्ट धार्मिक मान्यताओं पर कोई फैसला नहीं दे सकती

केरल/ एजेंसी

केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को प्रवेश देने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में लगातार सुनवाई चल रही है। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के वकील एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, किसी धर्म की प्रथा सही है या नहीं, यह उसी समुदाय की आस्था के आधार पर तय होगा। जज खुद यह तय नहीं करेंगे कि धर्म के लिए क्या सही है, क्या गलत।' उन्होंने कहा कि धर्म एक समूह या समुदाय की आस्था से जुड़ा है। इसलिए कुछ लोगों

(महिलाओं की एंट्री) के अधिकार को पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। इससे पहले 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिन सुनवाई के दौरान भी महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गईं। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।वहीं इससे पहले मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि किसी धर्म में कौन सी प्रथा अंधविश्वास है।

होर्मुज से सुरक्षित निकला 20400 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर आ रहा जग विक्रम

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकाबंदी के बीच भारत के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। भारतीय झंडे वाला एलपीजी गैस टैंकर 'जग विक्रम' सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट को पार कर चुका है। 11 अप्रैल को इस बेहद संवेदनशील और रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने के बाद यह जहाज ओमान की खाड़ी पहुंच गया है और अब तेजी से भारत की ओर बढ़ रहा है।कांडला पहुंचने की उम्मीद, बंदरगाहों पर कामकाज सामान्य जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए अहम जानकारी साझा की है।

भगोड़ा नीरव मोदी का बच पाना मुश्किल!

लंदन पहुंची सीबीआई-कभी भी भारत लाया जा सकता है

देश में करोड़ों रुपये का घोटाला करके भागे नीरव मोदी को भारत लाने की प्रक्रिया अब अंतिम दौर में है. सरकारी सूत्रों के मुताबिक, इस केस में कई बड़ी कानूनी अड़चनें लगभग खत्म हो चुकी हैं. इस बीच, खबर आई है कि सीबीआई की टीम लंदन पहुंच गई हैं. इससे संकेत माना जा रहा है कि नीरव मोदी को कभी भी भारत लाया जा सकता है. सीबीआई की एक विशेष टीम लंदन में है और प्रत्यर्पण की अंतिम तैयारियों को अंजाम दे रही है। माना जा रहा है कि नीरव मोदी जल्द ही भारत वापस लाया जाएगा. पंजाब नेशनल बैंक

घोटाले के मुख्य आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को जल्द ही भारत वापस लाया जा सकता है.सूत्रों के मुताबिक उसके प्रत्यर्पण के मामले में कानूनी अड़चनें लगभग खत्म हो चुकी हैं. ब्रिटेन में उसके पास मौजूद करीब सभी बड़े कानूनी विकल्प खत्म हो चुके हैं. खबर है कि सीबीआई की एक स्पेशल टीम टीम लंदन पहुंच गई हैं. जिससे माना जा रहा है कि नीरव को कभी भी भारत लाया जा सकता है. सूत्रों के अनुसार,सीबीआई की टीम, जो इस समय लंदन में मौजूद है, ने ब्रिटेन के अधिकारियों और सीपीएस के साथ बैठक की है. इस बैठक का मुख्य मकसद नीरव मोदी के प्रत्यर्पण से जुड़ी आखिरी कागजी कार्रवाई और सुरक्षा इंतजामों को पुख्ता करना है.अधिकारी प्रत्यर्पण की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रहे हैं.सीबीआई की टीम कल यानी गुरुवार (16 अप्रैल) को भारत वापस लौटेगी.

वेदांता पॉवर प्लांट बना 'मौत का प्लांट'

अब तक 20 मजदूरों की मौत, 16 जिंदगी और मौत के बीच जंग

- प्रबंधन ने मृतकों के परिजनों को 35 लाख और घायलों को 15 लाख का मुआवजा किया घोषित

सक्ती। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में स्थित वेदांता पॉवर प्लांट में हुए भीषण हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। यह हादसा अब एक साधारण दुर्घटना न रहकर, मौत का प्लांट बन चुके औद्योगिक ढांचे की भयावह सच्चाई उजागर कर रहा है। इस दर्दनाक घटना में अब तक 20 मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 16 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं, जिनमें कई की हालत नाजुक बनी हुई है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी लगातार जताई जा रही है। जिला कलेक्टर अमृत विकास टोपनो ने आधिकारिक रूप से 20 मौतों की पुष्टि की है। इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद प्लांट प्रबंधन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। खबर लिखे जाने तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है। यह चुप्पी क्या केवल संयोग है, या फिर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश..? क्या सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है..? ये सवाल अब हर किसी के मन में उठ रहे हैं, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और प्लांट की हेल्थ एंड सेफ्टी टीम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। प्रशासन ने

जांच और सख्त कार्रवाई का आश्वासन जरूर दिया है, लेकिन स्थानीय लोगों का भरोसा डगमगाया हुआ है। उनका कहना है कि ऐसी घटनाओं में अक्सर जांच केवल कागजों तक सीमित रह जाती है और दोषी बच निकलते हैं।घायलों को तत्काल रायगढ़ और रायपुर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। अस्पतालों में भर्ती मजदूरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन सीधे तौर पर प्लांट प्रबंधन को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि लंबे समय से प्लांट में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही थी। स्थानीय मजदूरों और ग्रामीणों के मुताबिक, प्लांट में काम करने वाले मजदूरों को पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए जाते थे। मशीनों का रखरखाव भी नियमित रूप से नहीं होता था। कई बार इस संबंध में शिकायतें भी की गईं, लेकिन हर बार उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। सूत्रों की मानें तो कार्यस्थल पर बुनियादी सुरक्षा इंतजाम तक मौजूद नहीं थे। यदि समय रहते उचित सुरक्षा उपाय किए गए होते, तो शायद यह भयावह हादसा टाला जा सकता था। यह हादसा एक बड़ा सवाल खड़ा करता है, क्या यह दुर्घटना टालने योग्य थी ? और यदि हां, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है ? क्या बड़े कॉरपोरेट संस्थान मुनाफे के आगे मजदूरों की जान को महत्व नहीं देते ? क्या सुरक्षा नियम केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं ?

वेदांता पावर प्लांट हादसा अपडेट: जिला प्रशासन ने दिए घटना के मजिस्ट्रियल जांच के आदेश

रायपुर। सक्ती जिला के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में 14 अप्रैल को हुए बॉयलर हादसे की जांच के लिए सक्ती जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं. डभरा एसडीएम को जांच अधिकारी नियुक्त करते हुए 30 दिन के भीतर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं. वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी ने भी हादसे की जांच के लिए समिति का गठन किया है. कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने जांच अधिकारी को आठ बिंदुओं पर जांच के आदेश दिए हैं. इनमें घटना कब और कैसे घटित हुई घटना दिनांक को घटना स्थल पर कौन-कौन मजदूर कार्यरत थे, एवं घटना में किन-किन मजदूरों की मृत्यु हुई तथा कौन-कौन मजदूर घायल हुये उन परिस्थितियों के कारण जिनके फलस्वरूप घटना घटित हुई थी।

डॉ.अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कांग्रेसियों ने मनाया जयंती

धमतरी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर ने राजीव भवन में भारत के संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर को जयंती मनाई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने डॉ. अंबेडकर के छायाचित्र में माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर सामाजिक नवजागरण का अग्रदूत बताते हुए उनके जीवनी पर व्यापक रूप से प्रकाश डाला। तत्पश्चात नगर के अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहब के प्रतिमा में माल्यार्पण किया गया। उपस्थित वक्ताओ ने कहा कि बाबा साहब का जीवन सदियों से शोषित दलित मानव के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए समर्पित था। वे समाज में व्याप्त रूढ़िवादी और विषमता को समूल समाप्त करने के लिए जीवन पर्यन्त संघर्ष करते रहे। बाबा साहब एक सुलझे हुए राजनीतिज्ञ और राष्ट्रीय नेता थे। उन्होंने अपने पीछे भारत के संविधान के रूप में एक मूल्यवान विरासत छोड़ी है। विधायक ओंकार साहू ने कहा कि भारत की संसद में मुख्य विपक्षी दल के रूप में और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ रहने वाली पार्टी के रूप में हम समस्त कांग्रेसजन डॉ आंबेडकर के देश को दिए योगदान के हमेशा ऋणी रहेंगे परंतु देश के गृहमंत्री अमित शाह एवं इनके कार्यकर्ताओं द्वारा हमारे संविधान के पिता के प्रति अनादर की बाते आम हो गई है। सत्तारूढ़ शासन और उसके नेताओं को इस तरह से व्यवहार करने की अनुमति नहीं दी जा सकती जो केवल उनकी विचारधारा के अनुकूल हो।

ब्लॉक अध्यक्षद्वय योगेश शर्मा, गौतम वाधवानी ने कहा कि हाशिए पर पड़े समुदायों की दुर्दशा और उनके अधिकारों को सुरक्षित करने की आवश्यकता को उजागर करने वाले कांग्रेस के अभियान के जवाब में भाजपा ने केवल कांग्रेस और उसके नेतृत्व को बदनाम करने के लिए बार.बार प्रयास किए हैं। भाजपा ने कांग्रेस के बारे में हर तरह के झूठे और भ्रामक आख्यानों का प्रचार किया है। हालाँकि अब यह बहुत आगे बढ़ गया है। अब हम उस स्थिति में हैं जहाँ शासन के नेताओं के द्वारा डॉ. भीमराव बाबा साहेब अंबेडकर पर व्यक्तिगत हमला किया जा रहा है। पूर्व विधायक लेखराम साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन लालवानी ने कहा कि डॉं अंबेडकर केवल संविधान निर्माता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्त्रोत और अधिकारों के संरक्षक थे। जिला महामंत्री अरविन्द दोषी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के महानायक महान विद्वान देश को एकता के सूत्र में बांधकर समाज में समानता का संदेश देने वाले बाबा साहब की जयंती पर उन्हें शत.शत नमन है। इस दौरान विधायक ओंकार साहू, पूर्व विधायक लेखराम साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष मोहन लालवानी, जिला महामंत्री अरविंद दोषी, ब्लॉक अध्यक्ष योगेश शर्मा, गौतम वाधवानी, जिला महामंत्री विक्रांत पवार, आकाश गोलछा, विक्रांत शर्मा, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम दीपक सोनकर, उपनेता प्रतिपक्ष विशु देवांगन, महिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष शास्त्री सोनवानी, जिला सचिव रामनाथ यादव, राजेश पांडे, कन्हैया सोनी, असंगठित कामगार प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हैया सोनी, जिला अध्यक्ष अविनाश मारोठे, पूर्व जिला महामंत्री तनवीर कुरैशी, श्रवण साहू, तारिक रजा कादरी, अम्बर चंद्राकर, तिलक सोनकर, आशुतोष खरे, चित्रांश रजक, वातंजलि गोस्वामी, नवीन गजेंद्र, मोहन ध्रुव, समीना खान, यशवंत पटेल, जैनुद्दीन रिजवी, अयान हाशमी, शेख सोहेल, अनीश रजा, अरविन्द साहू, राजू शेख सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

साड़ी वितरण में अनियमितता, महिला कांग्रेस ने विभागीय मंत्री व सरकार का किया पुतला दहन

धमतरी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए साड़ी वितरण में कथित अनियमितताओं को लेकर जिला महिला कांग्रेस ने सोमवार को गांधी मैदान में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान विभागीय मंत्री सहित प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया गया। महिला कांग्रेस ने इस मुद्दे को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बहनों के सम्मान और अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि साड़ी वितरण में भारी अनियमितताएं हुई हैं, जिससे मेहनतकश आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय हुआ है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर नें कहा महिलाओ को झूठे सपने दिखाकर प्रदेश की सत्ता में काबिज साय सरकार नें लगातार महिलाओं को ठगने का कार्य किया है। चाहे वह महतारी वंदन के नाम पर झूठा वादा हो या गृहणी माता बहनों को 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने का वादा हो। आज भाजपा की साय सरकार महिलाओं के अपमान में एक कदम आगे बढ़ते हुए गुणवत्ताहीन साड़ियों का वितरण कर रहे है। जिला महिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष अंबिका सिन्हा एवं शहर अध्यक्ष शास्त्री सोनवानी ने कहा कि यह केवल आर्थिक गड़बड़ी नहीं, बल्कि बहनों के सम्मान का मुद्दा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। महिला कांग्रेस ने सरकार से मांग की है कि साड़ी वितरण में हुई अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष अंबिका सिन्हा, शास्त्री सोनवानी, ब्लॉक अध्यक्ष योगेश शर्मा, प्रदेश महिला कांग्रेस महामंत्री सूर्यप्रभा चेटियार, पूर्व जनपद अध्यक्ष कुरूद शारदा लोकनाथ साहू, जिला महामंत्री आकाश गोलछा, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव उदित नारायण साहू, उपनेता प्रतिपक्ष नगर निगम विशु देवांगन, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष हितेश गंगवीर, पार्षद सुमन मेश्राम, समीना खान, वतांजलि गोस्वामी, गणेश्वरी कामडे, आशुतोष खरे, वीणा साहू सरपंच मडेली, चंदन रजक, चित्रांश रजक, अम्बर चंद्राकर, सूरज पासवान, योगेश्वर साहू, सूर्या बघेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस महिला कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग क़ी कार्यवाही, 57 हजार रुपए के अवैध देशी मदिरा सहित दो पहिया वाहन जब्त

बलौदाबाजार। आबकारी विभाग द्वारा 57200 रुपए के अवैध देशी मदिरा सहित एक मोटरसायकल जब्त किया गया। वृत्त कसडोल में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी हर्ष संजय कश्यप पिता संजय उम्र 25 वर्ष,ग्राम डमरू थाना सिटी कोतवाली बलौदाबाजार के कब्जे से 9 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जप्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 5,000 होना पाया गया।वृत्त सिमगा में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी विरेन्द्र कुमार गेण्डरे ग्राम डोंगरिया थाना हथबंद के कब्जे से 32 पाव कुल 5.76 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जप्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 3,200 होना पाया गया।आरोपी सुभाष कुर्रे पिता मनोज कुर्रे उम्र 19 वर्ष ग्राम मोपकी चौकी निपनिया के कब्जे से 10.8 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला एवं 1 दो पहिया वाहन एचफ्रडिलक्स क्रमांक छत्र22तत8158 जप्त किया गया।

देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 6,000 एवं दो पहिया वाहन का बाजार मूल्य 40,000 होना पाया गया।भाटापारा में आबकारी विभाग की टीम द्वारा आरोपी रानू सोनवानी पिता रामगोपाल सोनवानी ग्राम गुर्रा थाना भाटापारा ग्रामीण के कब्जे से 30 पाव कुल 5.40 बल्क लीटर देशी मदिरा मसाला जप्त किया गया। देशी मदिरा मसाला का बाजार मूल्य 3,000 होना पाया गया। सभी आरोपियों के विरूद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (2) 59 (क) का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी, जलेश कुमार सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक दिनेश कुमार साहू, मनराखन नेताम, विनोद कुमार बांधे, आबकारी मुख्य आरक्षक राधागिरी गोस्वामी नगर सैनिक दुर्गेश्वरी कुर्रे, दुर्गा ध्रुव की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नारी शक्ति अधिनियम महिलाओं के लिए ऐतिहासिक सौगात: रूपकुमारी चौधरी

देशभर में होंगे कार्यक्रम, सांसद रूपकुमारी चौधरी, भाजपा उपाध्यक्ष रंजना साहू, पिंकी शिवराज शाह ने ली तैयारियों की बैठक

धमतरी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने पर देशभर में उत्सव मनाने की तैयारी है। इसी कड़ी में धमतरी जिले में भी वृहद कार्यक्रम आयोजित होगा। इसे लेकर महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू, किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पिंकी शिवराज शाह ने जिला कार्यालय में बैठक ली और तैयारियों की समीक्षा की। सांसद रूपकुमारी चौधरी ने कहा यह अधिनियम महिलाओं के लिए ऐतिहासिक सौगात है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारत की महिलाओं के लिए सिर्फ अवसरों के द्वार नहीं खोलता, बल्कि सत्ता के केंद्र को अधिक समावेशी बनाता है। वर्षों से नीति निर्माण में महिलाओं की आवाज़ सीमित रही है। यह अधिनियम उस स्थिति को बदलते हुए महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करता है। इससे शासन अधिक संतुलित, संवेदनशील और जन.आकांक्षाओं के अनुरूप बनेगा। वहीं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक रंजना साहू ने कहा महिला नेतृत्व अपने साथ जमीनी अनुभव और दृष्टिकोण लेकर आता है, चाहे वह स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा या आर्थिक सशक्तिकरण का विषय हो। उनकी बढ़ती भागीदारी न केवल नीतियों को प्रभावित करेगी, बल्कि देशभर की लाखों बेटियों को आगे बढ़ने और नेतृत्व करने की प्रेरणा भी देगी। यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो भारत और अधिक मजबूत, न्यायसंगत और प्रतिनिधिक बनता है। धमतरी में होने वाले कार्यक्रम में मातृशक्ति की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पिंकी शाह ने कहा नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और निर्णायक कदम है। विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने में अब नारी शक्ति का सशक्तिकरण नीति.निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण तक उसकी अग्रणी भूमिका को और मजबूत करेगा। इस अधिनियम से विधायिका में महिलाओं का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा, जिससे निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ेगी और देश के समग्र विकास को नई दिशा मिलेगी। अर्चना चौबे को इस कार्यक्रम की प्रभारी एवं प्रेमलता नागवंशी को सह प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस दौरान महिला मोर्चा अध्यक्ष अनिता यादव, जिला पंचायत सदस्य मोनिका देवांगन, जनपद अध्यक्ष अंगिरा ध्रुव, महिला मोर्चा जिला महामंत्री प्रियंका सिन्हा, कविता यादव मंडल अध्यक्ष, पूजा कुंजाम, चिलेश्वरी साहू, रुक्मणी सोनकर, संगीता जगताप, दमयंती गजेंद्र, आशा लोधी, रितिका यादव, विभा चंद्राकर, हिमानी साहू, भारती साहू, चंद्रभागा साहू, सुशीला तिवारी, अनीता सोनकर, रीता बंजारे आदि उपस्थित रहे।

अंबेडकर चौक से रुद्री तक सड़क बनेगी फोरलेन : महापौर

धमतरी। डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर शहर के सर्वांगीण विकास को लेकर महापौर ने संकल्प लेकर एक बड़ा और महत्वाकांक्षी लक्ष्य सामने रखा। उन्होंने कहा कि उनका पहला लक्ष्य अंबेडकर चौक से रुद्री तक की सड़क को फोरलेन में विकसित करना है ताकि धमतरी के नागरिकों को रोजाना होने वाली यातायात की समस्याओं से स्थायी राहत मिल सके। महापौर ने कहा कि वर्तमान में अंबेडकर चौक से रुद्री तक का मार्ग शहर का सबसे व्यस्त मार्ग बन चुका है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते है जिससे सुबह और शाम के समय जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। स्कूल, कॉलेज, बाजार और कार्यालयों के समय में लोगों को लंबे समय तक जाम में फंसे रहना पड़ता है, जिससे

समय की बर्बादी के साथ-साथ मानसिक परेशानी भी बढ़ती है। उन्होंने बताया कि इस मार्ग के फोरलेन होने से न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि शहर के अंदर और बाहर आने-जाने वाले वाहनों के लिए भी बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। इससे व्यापार, आवागमन और आपातकालीन सेवाओं जैसे एंबुलेंस और फायर बिग्रेड को भी तेजी से पहुंचने में सुविधा मिलेगी। महापौर ने स्पष्ट किया कि इस परियोजना को प्राथमिकता में रखते हुए शासन स्तर पर प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। इसके लिए तकनीकी सर्वे, बजट निर्धारण और भूमि संबंधी आवश्यकताओं का भी जल्द आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण योजना को जल्द से जल्द स्वीकृति दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शहर के विकास के लिए आधारभूत संरचना को मजबूत करना बेहद जरूरी है और सड़कें किसी भी शहर की प्रगति की रीढ़ होती हैं। फोरलेन सड़क बनने से धमतरी का स्वरूप आधुनिक शहर की तरह विकसित होगा और आने वाले समय में निवेश एवं विकास की नई संभावनाएं भी खुलेंगी। इस दौरान महापौर ने डॉ.भीमराव अंबेडकर के विचारों को याद करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने हमेशा समानता, विकास और आधुनिक सोच का संदेश दिया है। उन्हीं के आदर्शों पर चलते हुए शहर को बेहतर सुविधाएं देना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह फोरलेन सड़क परियोजना केवल एक निर्माण कार्य नहीं, बल्कि धमतरी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरूण साव, वित्तमंत्री ओ पी चौधरी, प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, सांसद रूपकुमारी चौधरी के आशीर्वाद और विशेष कृपा दृष्टि से धमतरी क्षेत्र का चौमुखी विकास हो रहा है। एक वर्ष में 350 करोड़ के विकास कार्यों की स्वीकृति इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।

मादक पदार्थों की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

धमतरी। जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत धमतरी पुलिस थाना सिटी कोतवाली ने एक बार फिर प्रभावी एवं निर्णायक कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को हेरोइन चिट्ठा के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। थाना सिटी कोतवाली धमतरी पुलिस को मुखबिर से विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि धमतरी बस स्टैंड के पीछे एक सफेद रंग की मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार क्रमांक सीजी 13 सी 4422 में दो युवक अवैध मादक पदार्थ रखकर उसकी बिक्री हेतु ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए धमतरी पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर दबिश दी गई। कार्यवाही के दौरान दोनों संदिग्धों को हिरासत

में लेकर वैधानिक प्रक्रिया के तहत तलाशी ली गई जिसमें उनके कब्जे से 10.30 ग्राम हेरोइन चिट्ठा बरामद हुआ जिसकी अनुमानित कीमत 47000 रुपये आंकी गई है। जप्त सामग्री में 10.30 ग्राम हेरोइन चिट्ठा कीमत 47000 रूपये, नगद राशि 12000 रुपये मादक पदार्थ बिक्री से संबंधित, 01 नग मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार कीमत 1,50,000 रू, 01 नग आईफोन 11 कीमत 10000 रूपये, 01 नग वीवो वाय 31 स्मार्टफोन जियो सिम सहित कीमत 10000 रूपये, अन्य सामग्री लाईटर एवं एल्युमिनियम फॉयल, जप्त कुल संपत्ति का मूल्य लगभग 2,29,020 रुपये है। गिरफ्तार आरोपियों में कमर रजा पिता सज्जाद रजा उम्र 28 वर्ष निवासी सदर बाजार धमतरी, मो. शोएब अख्तर पिता मो0 असद गोरी उम्र 26 वर्ष निवासी केला बडी दुर्ग थाना पदमनामपुर जिला दुर्ग। दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी में अपराध क्रमांक 101/2026 के तहत धारा 21-बी, 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पंचायत प्रतिनिधियों के हक पर अफीमची नेता के चमचे डाल रहे डाका

नगरी, सिहावा क्षेत्र के पंचायतों में पनप रहा आक्रोश

धमतरी। ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले निर्माण कार्यों को लेकर शासन द्वारा ग्रामीण एजेंसी अर्थात पंचायत स्तर पर होने वाले काम को ग्राम पंचायतों के माध्यम से कराये जाने का निर्णय लिया गया है जिसके तहत धमतरी जिले के विभिन्न पंचायतों में शासन द्वारा स्वीकृत निर्माण कार्य संपादित होते आ रहे हैं। लेकिन धमतरी जिले के सिहावा, नगरी क्षेत्र में शासन के निर्देशों के विपरीत ऐसे निर्माण कार्य जो ग्रामीण क्षेत्रों एवं ग्राम को जिसका लाभ मिले, ऐसे कार्यों को अब एक अफीमची नेता के दो दलालों के द्वारा न सिर्फ कराये जाने के लिये दबाव बनाया जा रहा है बल्कि जिस कार्य को पंचायत द्वारा कराया गया था और उसका चेक कट गया था, उसे भी यह कहकर चेक वापस करवा दिया गया कि यह कार्य हम करेंगे। दलालों के उक्त कृत्य से समूचे पंचायत क्षेत्र में असंतोष व्याप्त है। अफीमची नेता के दो मुंहलगे चमचों के पंचायत प्रतिनिधियों पर बनाये जा रहे लगातार दबाव से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। कुछ लोगों ने प्रतिनिधि से चर्चा में बताया कि पंचायतों में आवश्यकता के अनुसार पंचायत

प्रतिनिधियों के मांग के अनुसार विभिन्न मंत्री, अधिकारी, कार्यो को स्वीकृत करते हैं परंतु स्वीकृत कार्यों पर इनका यह दावा है कि जो भी कार्य हो रहे हैं यह हमारे द्वारा करवाया जा रहा है इसलिये सभी कार्य को हमारे द्वारा संपादित कराया जायेगा। इसमें किसी का भी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जायेगा क्योंकि हमारे नेता का हमें आदेश है कि क्षेत्र का सभी कार्य मेरे आदेश से ही हो पायेंगे। अफीम की खेती को लेकर चर्चा में आने वाले तथाकथित नेता अपनी सफाई के बाद लगातार पार्टी के ही नेताओं के निशाने पर आ गये हैं। यही कारण है कि इन्होंने अपने क्षेत्र से पलायन कर नया ठिकाना ढूंढ लिये हैं। अचानक क्षेत्र को छोड़ जाने के बाद क्षेत्र की राजनीति में एक नया बहस छिड़ गया है। जिले में अफीमची नेता के बाद चर्चित होने वाले उक्त रसूखदार व्यक्ति के दो दलालों द्वारा पंचायत के अंतर्गत निकलने वाले विकास कार्यों को हड़पने के लिये एक नया हथकंडा अपनाया गया है जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों को लाभ पहुंचाने वाली ऐसी योजनाओं को अफीमची नेता के दो दलालों द्वारा हथियाकर उक्त कार्य को कराये जाने के प्रयास हेतु लगातार दबाव डाला जा रहा है। पंचायत राज अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और शासन द्वारा स्वीकृत योजनाओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों को दिलाये जाने को लेकर लाखों, करोड़ों रूपये के कार्य स्वीकृत किये गये हैं। लेकिन पिछले कुछ दिनों से ऐसे कार्यों को अफीमची नेता के दो दलाल र-ह के द्वारा हथियाने हेतु अनावश्यक दबाव डाला जा रहा है। एक निर्माण कार्य का चेक ग्राम पंचायत के सरपंच को दिये जाने के पूर्व वहां पहुंचकर इन दलालों ने उक्त चेक को रोकने का आदेश कर बचे हुए कार्यों को उनके द्वारा किये जाने का निर्णय लिया गया है जिससे पंचायत स्तर पर इसकी खबर जंगल के आग की तरह फैल गई और समूचे क्षेत्र में इसे लेकर नाराजगी व्यक्त की गई।

खबर के मुताबिक एक जनप्रतिनिधि की मांग पर नगरी, सिहावा के पंचायत में निर्माण कार्यों को लेकर पत्र व्यवहार किया गया था जिसके अनुसार उक्त कार्यों की अनुशंसा प्राप्त हुई। लेकिन अफीमची नेता के द्वारा इसका विरोध करते हुए इसकी शिकायत संबंधित मंत्री से करते हुए कहा कि क्षेत्र में मेरे बिना स्वीकृति के किसी भी पंचायतों में कोई कार्य स्वीकृत न किया जाये। जो कार्य वर्तमान में स्वीकृत है उसे निरस्त किया जाये। लेकिन उक्त जनप्रतिनिधि को यह भी नहीं मालूम कि कौन सा कार्य किसके द्वारा स्वीकृत किया जाता है और उसे इसके चलते मुंह की खानी पड़ी। इसके बाद भी उक्त तथाकथित अफीमची नेता और उसके चमचों द्वारा क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों पर अनावश्यक दबाव डालकर स्वीकृत कार्यों को रोड़ा अटकाया जा रहा है और यह दबाव बनाया जा रहा हे कि यह कार्य हमारे द्वारा ही पूर्ण किया जायेगा नहीं तो स्वीकृत कार्य निरस्त करवा दिया जायेगा। अफीमची नेता के द्वारा इस विवाद को विराम न देते हुए इसे अपना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाते हुए अपने दोनों परिचित र-ह को ही कार्य दिलाने का दावा किया गया है जिससे पंचायती राज अधिनियम का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन होने की संभावना को नहीं नकारा जा सकता और इस पंचायती राज के अधीन ही समस्त पंचायतों को कार्य करने के लिये ही उत्तरदायी बताया गया है। इसकी जानकारी होने के बाद भी अफीमची नेता के दोनों दादानुमा दलालों द्वारा संबंधित कार्य को हड़पने के लिये भारी दबाव डाला जा रहा है जिससे एक बार फिर जिस तरह पंचायत प्रतिनिधियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में समूचा सरपंच संघ सड़क पर उतरकर उक्त सचिव के खिलाफ लामबद्ध हुआ, इसी तरह की स्थिति पंचायत क्षेत्रों में होने वाले निर्माण कार्यों को निर्माण एजेंसी पंचायत के होते हुए किसी अन्य व्यक्तियों को दिये जाने को लेकर भी आंदोलन की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता जिसकी समूचे क्षेत्र में जबरदस्त चर्चा है।

प्रदेश कन्नौजिया सोनार समाज के नये पदाधिकारियों व कार्यकारिणी गठित

भाटापारा। प्रदेश कन्नौजिया सोनार समाज के प्रदेश अध्यक्ष तारकेश्वर स्वर्णकार के अनुशंसा एवं प्रदेश सचिव भागवत सोनी के सहमति से प्रदेश स्तरीय सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने हेतु संगठन को मजबूती प्रदान करने हेतु नवीन प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकारणी कि गठन कि गई जिसमें मुख्य रुप से प्रदेश अध्यक्ष तारकेश्वर प्रसाद स्वर्णकार प्रदेश सचिव भागवत सोनी 03 प्रदेश कोषाध्यक्ष अनिल सोनी 04 प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र भिलाई (3) सोनी गोपाल सोनी सिलयारी प्रदेश उपाध्यक्ष शंकर सोनी भाटापारा हेमराज सोनी धमतरी संतोष सोनी खैरागढ़ प्रदेश सहसचिव चन्द्रशेखर सोनी बेमेतरा दीनबंधु सोनी रिसाली शिव सोनी भिलाई नगर सेवक राम सोनी भिलाई (3) प्रदेश सलाहकार विरेन्द्र स्वर्णकार खैरागढ़ भरत सोनी कानूनी सलाहकार खुडमुडी (रायपुर) प्रदेश कार्यलय प्रभारी ओंकार सोनी भिलाई (3) संजू सोनी (भिलाई) प्रदेश कार्यकारणी सदस्य रवि सोनी साजा रुपेश सोनी रायपुर बीरगांव शान्तनु सोनी राजनांदगांव कृष्णा कुमार सोनी गंडई उक्त नियुक्ति पर प्रदेश के विभिन्न शहरों से सामाजिक बंधुओं द्वारा नये पदाधिकारियों व कार्यकारणी के नियुक्ति पर हर्ष जताया जा रहा है एवं बधाई व शुभकामनाएं भी प्रेषित किये जा रहे है।

संक्षिप्त समाचार

नगरीय निकायों में एल्डरमैन की नियुक्ति नहीं होने से कार्यकर्ताओं में बढ़ा रोष

रायपुर। प्रदेश में नगरीय निकायों में पार्षदों नगर पालिका अध्यक्षों एवं महापौरों के चुनाव के पश्चात सक्रिय कार्यकर्ताओं में एल्डरमैन के पद पर नियुक्ति नहीं मिलने पर पार्टी के अंदर कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है ज्ञात रहे भाजपा शासनकाल को सत्ता में आए ढाई साल से अधिक समय हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में 13 में से 11 नगर निगम में चुनाव हो चुके है वहीं अब भिलाई रिसाली और बीरगांव में चुनाव होना बाकी है। जबकि 85 के आसपास नगरपालिका है एवं 128 नगर पंचायत है। प्रदेश में इस समय नगरीय निकाय चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने वाले कार्यकर्ताओं को एल्डर मैन बनाने के लिए कवायद तेज हो गई है लेकिन कभी बड़े नेता असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पांडुचेरी, केरल अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए गये है जिसके द्वारा संगठन द्वारा एल्डरमैन की सूची शासन के पास नहीं भेजी गई है। नगरीय निकाय के अधिकारियों का कहना है कि संगठन से एल्डरमैन की सूची को हरी झंडी मिलने के बाद इनकी नियुक्ति की जाएगी। नगर निगम रायपुर में 11 एल्डरमैन बनाये जाएंगे। इनकी नियुक्ति राज्य शासन द्वारा की जाएगी। इन्हें पार्षद की तरह वेतन एवं मानदेय मिलेगा। लेकिन सामान्य सभा की बैठक में मतदान देने का अधिकार नहीं होगा। बाकि अन्य सुविधाएं पार्षद की तरह होंगी। अधिकरियों के अनुसार संगठन मंत्री पवन साय बंगाल गये हुए है वहां से लौटने के बाद यह नियुक्ति संभव है। प्रत्येक नगर निगम पालिका एवं नगर पंचायत में इनकी नियुक्ति की जाएगी। सभी महत्वाकांक्षी नेता इस समय एल्डरमैन बनने के लिए अपने अपने क्षेत्र के सांसद विधायकों एवं संगठन से अनुशंसा करवा रहे है।

गिग वर्कर्स को अब ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन का अधिकार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में गिग वर्कर्स की सामाजिक सुरक्षा और अधिकारों को लेकर एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। प्रदेश में करीब 2 लाख गिग वर्कर्स को अब ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन की सुविधा मिल गई है। यह जानकारी महाराष्ट्र मंडल में आयोजित संगोष्ठी के दौरान दी गई। महाराष्ट्र मंडल में आयोजित इस संगोष्ठी में गिग वर्कर्स के सामाजिक सुरक्षा, अधिकार और उत्थान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में श्रमिक संगठनों, विशेषज्ञों और अधिकारियों ने भाग लिया और गिग वर्कर्स की स्थिति को मजबूत करने पर जोर दिया। भारतीय मजदूर संघ की अध्यक्ष शोभा सिंहदेव ने कहा कि कंपनियां गिग वर्कर्स को पार्टनर तो कहती हैं, लेकिन उनकी सामाजिक सुरक्षा और जिम्मेदारियों के प्रति उदासीन रहती हैं। उन्होंने इस संगोष्ठी को गिग वर्कर्स के पुनरुत्थान की दिशा में अहम कदम बताया। छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा ने कहा कि देश में गिग वर्कर्स का एक बड़ा नेटवर्क कार्य कर रहा है। घर-घर सेवाएं देने वाले डिलीवरी एजेंट से लेकर अन्य फ्रीलांस सेवाएं देने वाले लोग इस श्रेणी में आते हैं, चाहे वे किसी बड़ी कंपनी से जुड़े हों या नहीं। संगोष्ठी में बताया गया कि नए श्रम कानून लागू होने के बाद गिग वर्कर्स को कई अधिकार मिले हैं। अब वे ई-श्रम पोर्टल पर पंजीयन करा सकते हैं, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिलेगा। कर्मकार मंडल के पूर्व अध्यक्ष मोहन एंटी ने जानकारी दी कि पंजीकृत गिग वर्कर्स को 2 लाख रुपए तक का बीमा कवर मिलेगा। इसके अलावा यदि किसी कंपनी द्वारा उनकी आईडी ब्लॉक की जाती है, तो वे उसके खिलाफ शिकायत और सुनवाई का अधिकार भी रखते हैं। विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि गिग वर्कर्स को अपने अधिकारों की जानकारी होना बेहद जरूरी है। जागरूकता के अभाव में वे कई सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। संगोष्ठी में यह भी कहा गया कि गिग वर्कर्स के हितों की रक्षा के लिए संगठनों की भूमिका अहम है। यही संगठन उनकी समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने का माध्यम बन सकते हैं।

आईपीएल सट्टा खेलने वालों पर पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी

रायपुर। पुलिस द्वारा आईपीएल सीजन के दौरान अवैध सट्टा एवं जुआ गतिविधियों के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र बघेल एवं अमित पटेल के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी भूपत सिंह के नेतृत्व में थाना पंडरिया की टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। रात प्राप्त मुखबिर सूचना पर थाना पंडरिया की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घोघरापारा क्षेत्र से आरोपी दीपक चन्द्राकर पिता गोपाल चन्द्राकर उम्र 21 वर्ष निवासी बैरागपारा पंडरिया एवं अरूण कुमार निषाद पिता गोपाल कुमार निषाद उम्र 23 वर्ष निवासी बैरागपारा पंडरिया को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा ऑनलाइन आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा लगाने एवं खिलाने का कार्य करना स्वीकार किया गया। आरोपी दीपक चन्द्राकर के कब्जे से ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन एवं आरोपी अरूण कुमार निषाद के कब्जे से मोटोरोला कंपनी का मोबाइल फोन जप्त किया गया।

रायपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का भव्य अनावरण

समाज में न्याय और समानता की प्रेरणा देता रहेगा बाबा साहेब का जीवन:मुख्यमंत्री साय

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सामने स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर चौक में उनकी 21 फीट ऊंची पंचधातु से निर्मित भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के नेतृत्व और उनके द्वारा निर्मित भारतीय संविधान ने वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया है। उनके विचार आज भी समाज को न्याय और समानता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं। मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति की मांग पर मंगल भवन, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 60 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि स्थानीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान किया है। इसी कारण आज समाज के सभी वर्गों को अपने जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों में भी कोलंबिया विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने कहा कि आज देश के प्रत्येक कोने में बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो उनके प्रति लोगों के अटूट सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक हैं। रायपुर सहित पूरे प्रदेश में उनकी जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है, जिससे नई पीढ़ी निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बाबा साहेब के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति वहां की महिलाओं की स्थिति से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य के साथ छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें बाबा साहेब के आदर्श मार्गदर्शक हैं। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री ने नागरिकों से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करते हुए सामाजिक समरसता, समानता और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर कौशल विकास मंत्री श्री खुशवंत साहेब, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, विधायक श्री किरण सिंह देव, महापौर नगर पालिक निगम रायपुर श्रीमती मीनल चौबे, विधायक श्री पुरंदर मिश्रा, श्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष श्री संजय श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष श्री अमरजीत सिंह छाबड़ा, छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सलीम राज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

सड़कों में चलाई तेज गाड़ी तो घर पहुंचेगा अब चालान

■ लेडार स्पीड कैमरों से रखी जा रही नजर

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग ने पहली बार लेडार आधारित स्पीड कैमरों का इस्तेमाल शुरू किया है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत करीब 1 करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 7 आधुनिक स्पीड कैमरे लगाए गए हैं। राज्य सरकार के निर्देश पर इन्हें रायपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर, जगदलपुर और धमतरी जिले के प्रमुख मार्गों पर स्थापित किया गया है। रायपुर में मरीन ड्राइव, वीआईपी रोड और मंदिर हसौद क्षेत्र में कैमरे लगाए गए हैं। इसके अलावा बिलासपुर बायपास, अंबिकापुर और जगदलपुर के मुख्य मार्ग तथा धमतरी जिले के कुरूद तहसील क्षेत्र को भी इस परियोजना में शामिल किया गया है। इन स्थानों का चयन ट्रैफिक दबाव और हादसों की घटनाओं को देखते हुए किया गया है। वाई-फाई युक्त ये कैमरे परिवहन विभाग के वाहन सॉफ्टवेयर से जुड़े हुए हैं। ये 100 मीटर तक की दूरी पर चल रहे वाहनों की गति को सटीक रूप से माप सकते हैं। दो लेन की सड़कों पर भी ये एक साथ कई वाहनों की निगरानी कर सकते हैं और उनकी पूरी जानकारी सिस्टम में दर्ज कर लेते हैं। लेडार तकनीक पर आधारित ये कैमरे प्रकाश किरणों के जरिए वाहन की गति और दूरी का सटीक आकलन करते हैं। यदि कोई वाहन निर्धारित गति सीमा से अधिक चलता है तो कैमरा उसकी नंबर प्लेट स्कैन कर फोटो और वीडियो रिकॉर्ड करता है। इसके बाद स्वत: ई-चालान जनरेट होता है, जो वाहन मालिक को व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से भेजा जाएगा। इन कैमरों में नाइट विजन जैसी सुविधा भी है, जिससे रात में भी स्पष्ट निगरानी संभव होगी। साथ ही खराब मौसम में भी ये प्रभावी तरीके से काम कर सकते हैं। फिलहाल इन कैमरों की टेस्टिंग की जा रही है। परिवहन विभाग और पुलिस के समन्वय से जल्द ही इन्हें पूरी तरह चालू किया जाएगा। विभाग का कहना है कि पहले चरण में लोगों को जागरूक किया जाएगा।

नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी-पुलिस

■ ड्रंक एंड ड्राइव कार्यवाही का उद्देश सड़क दुर्घटना में कमी लाना ,जान माल की रक्षा करना है

रायपुर/ संवाददाता

शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। विकास कुमार पुलिस उपायुक्त, यातायात एवं प्रोटोकॉल के निर्देशानुसार शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। शराब पीकर वाहन चलाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है और वाहन ड्राइवर अपने जीवन के साथ-साथ दूसरे के जीवन के लिए भी खतरा पैदा करता है इसी क्रम में एम व्ही एक्ट की धारा 185 प्रावधानों के तहत शराब के नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जनवरी से आज तक 2300 नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है, जिनमें न्यायालय द्वारा प्रत्येक मामले में न्यूनतम ?10000/- का जुर्माना किया गया है इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 12 अप्रैल 2026 की रात्रि में डीसीपी श्री विकास कुमार के नेतृत्व में शहर के 9 स्थानों पर यातायात थाना प्रभारी एवं यातायात पुलिस स्टॉफ के साथ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए कुल 165 वाहन चालकों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध चालान की कार्यवाही कर उन्हें माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

लोगों में भ्रांति है ।

पंचायत सचिव के निलंबन के निर्देश सीईओ ने विकास कार्यों का लिया जायजा

अब देश के लिए मरने की नहीं

बल्कि अच्छा कार्य करते हुए देश के लिए जीने की जरूरत

रायपुर/ संवाददाता

वंदे मातरम् 150 साल बाद भी भारत को एकसूत्र में बांधने का मंत्र है। जब भी हमे भारत के प्रति प्यार और एकजुटता दिखानी होती है । हम वंदे मातरम् का जयघोष करते हैं। वंदे मातरम् को सभी स्कूल-कॉलेजों में अनिवार्य करके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वास्तविक रूप से इस गाने को सम्मान दिया है। यह बात सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल का जिन्होंने शनिवार को वृंदावन हाल में वंदे मातरम् के 150 वीं वर्षगांठ पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में कही। कार्यक्रम में 150वीं वर्षगांठ पर 15 जनवरी को रायपुर लोकसभा क्षेत्र में 5 लाख विद्यार्थियों द्वारा किए गए सामूहिक वंदे मातरम् गान पर मुख्य कार्यक्रम स्थल सुभाष स्टेडियम में आयोजित में सांस्कृतिक देशभक्ति कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों, कलाकारों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, हम सब बचपन से स्कूलों में 'जन गण मन' गाते आए हैं, परंतु 'वंदे मातरम्' देश के क्रांतिवीरों का गीत रहा है। यह गीत आज़ादी के दीवानों का गीत था, लोगों को मर-मिटने के लिए प्रेरित करने वाला गीत था, अंग्रेजों को परेशान करने वाला गीत था और क्रांतिकारियों में जोश भरने वाला गीत था। यह देश की आज़ादी के लिए जन-जन के मन में उत्साह और देशभक्ति की भावना जागृत करने वाला गीत रहा है।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 959 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कनके अंतर्गत जिले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना।कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज अभनपुर टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 3 एवं 5 उपरवारा में 140 बच्चों की स्क्रीनिंग, आरंग टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1, 2 एवं 3 गनौद में 115 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 5 एवं 6 धनेली में 109 बच्चों की स्क्रीनिंग, तिल्दा टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 1 एवं 2 खपरीकला में 110 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम ए द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र सतबहिनिया एवं गभरा पारा 3 में 130 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र 7 एवं 9 रायपुरा में 163 बच्चों की स्क्रीनिंग।

छत्तीसगढ़ में पारा 42 डिग्री के पार जाने के आसार.......

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में फिलहाल शुष्क मौसम बना रहेगा, लेकिन आने वाले कुछ दिनों में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है। विशेष रूप से मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का असर ज्यादा देखने को मिलेगा और दिन के समय तेज धूप लोगों को परेशान कर सकती है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक प्रदेश में फिलहाल शुष्क मौसम बना रहेगा, लेकिन आने वाले कुछ दिनों में तापमान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है। विशेष रूप से मैदानी क्षेत्रों में गर्मी का असर ज्यादा देखने को मिलेगा और दिन के समय तेज धूप लोगों को परेशान कर सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग संभाग में गर्मी अपने चरम के करीब पहुंच सकती है। इन इलाकों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जाने की संभावना जताई गई है, जिससे लोगों को लू जैसे हालात का सामना करना पड़ सकता है। लगातार बढ़ते तापमान के कारण जनजीवन पर भी असर पड़ने के संकेत मिल रहे हैं। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कुछ हिस्सों में बहुत हल्की बारिश दर्ज की गई, लेकिन इसका मौसम पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। दिन के समय सबसे अधिक तापमान राजनांदगांव में 39.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 15.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो कि अपेक्षाकृत ठंडा रहा। मौसम विभाग ने जानकारी दी है।

आयोजित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना की वार्षिक बैठक में मिला सम्मान

कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर को सर्वश्रेष्ठ सोयाबीन अनुसंधान केंद्र का राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर/ संवाददाता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) को राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2023-2025 की मूल्यांकन अवधि के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राष्ट्रीय अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) नेटवर्क के अंतर्गत प्रदान किया गया। यह पुरस्कार रायपुर केंद्र की बहुआयामी उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया गया जिसमें अनुसंधान परीक्षण, वैज्ञानिक प्रकाशन, प्रजनन नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास, किसान संपर्क कार्यक्रम और बीज उत्पादन शामिल हैं। यह पुरस्कार अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) विश्वविद्यालय टीम के सदस्यों डॉ. सुनील कुमार नाग (प्रधान वैज्ञानिक), डॉ. रामा मोहन सावु (वरिष्ठ वैज्ञानिक) एवं डॉ. ऐश्वर्या टंडन (सह-प्राध्यापक) द्वारा प्राप्त किया गया। यह सम्मान डॉ. प्रताप सिंह, माननीय कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर; डॉ. एस.के. राव, पूर्व कुलपति, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर; डॉ. के.एच. सिंह, निदेशक, आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर तथा डॉ. आर.के. माथुर, निदेशक, आईसीएआर-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा 09 अप्रैल 2026 को हैदराबाद स्थित प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय, राजेंद्र नगर में आयोजित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) की 56वीं वार्षिक समूह बैठक में प्रदान किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने पुरस्कृत अनुसंधान दल के टीम लीडर एवं सदस्यों को इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। यह पुरस्कार व्यापक मूल्यांकन प्रणाली और प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया पर आधारित है, जिसमें इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर केंद्र ने असाधारण उपलब्धियाँ प्रदर्शित कीं। केंद्र ने लगातार तीन वर्षों तक पादप प्रजनन, सस्य विज्ञान, पादप रोग विज्ञान एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान सहित विभिन्न विषयों में सभी आवंटित परीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किए और उनकी स्वीकृति प्राप्त की। सोयाबीन अनुसंधान से संबंधित उच्च-गुणवत्ता वाले नास रेटेड शोध पत्र, सम्मेलन पत्र, बुलेटिन तथा एम.एससी. एवं पीएच.डी. छात्रों के मार्गदर्शन के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान दिया गया। केंद्र ने सुदृढ़ जर्मप्लाज्म प्रबंधन (प्रति वर्ष 1000 से अधिक अभिग्रहण), व्यापक संकरण कार्यक्रम तथा आएससी 11-42, आएससी 11-72 और आएससी 12-32 जैसी उत्कृष्ट किस्मों के विकास में प्रगति की। प्रमुख उपलब्धियों में पूर्वी क्षेत्र के लिए तीन उन्नत सोयाबीन किस्मों का विकास, छह उत्पादन एवं संरक्षण तकनीकों का विकास तथा तीन जर्मप्लाज्म लाइनों का पंजीकरण शामिल है। केंद्र ने प्रति वर्ष 100 फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन, कांकेर जिले में जनजातीय उप-योजना के अंतर्गत किसानों को लाभान्वित करने तथा नियमित किसान प्रशिक्षण एवं खेत प्रदर्शन के माध्यम से उत्कृष्ट विस्तार कार्य किया। प्रजनक बीज उत्पादन में लगभग 90 : लक्ष्य प्राप्ति के साथ-साथ न्यूक्लियस बीज उत्पादन में भी उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई। केंद्र ने

संपादकीय

अपराध के पांव ! कम उम्र के बच्चों में हिंसा की प्रवृति बेहद खतरनाक

अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं?मामूली बातों के लिए किसी की हत्या कानून व्यवस्था से जुड़ा मसला जरूर है, लेकिन इसका समाजशास्त्रीय पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज किया जाता रहा है। आजकल मामूली बातों पर विवाद जिस तरह हिंसक मोड़ ले रहे हैं, वह चिंता का विषय है।लोग अब छोटी-छोटी बातों पर अपना आपा खो देते हैं। ऐसी घटनाओं का अंत कई बार किसी की हत्या तक के रूप में सामने आता है। इस तरह के मामलों में नाबालिगों के भी शामिल पाए जाने से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।देश की राजधानी होने के बावजूद कानून और सामाजिक विकास के मोर्चे पर नाकामी की वजह से आपराधिक घटनाओं में नाबालिगों की बढ़ती संलिप्तता के पीछे किसकी कमजोरी मानी जाएगी?पिछले दिनों उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर इलाके में महज चार सौ रुपये के लेनदेन के विवाद में युवक की हत्या समाज की दशा और दिशा की एक तकलीफदेह तस्वीर सामने रख देती है। इस मामले में तीन नाबालिगों पर आरोप है कि वे घटनास्थल पर युवक को चाकू मारते रहे, जबकि चौथा इस घटना का वीडियो बनाता रहा। साफ है कि आरोपियों के मन में कानून का कोई खौफ नहीं था।इससे पहले भी दिल्ली में हुई कई वारदात में नाबालिग शामिल पाए गए हैं। देश की राजधानी में अपराध की यह तस्वीर कैसे और क्यों बन रही है, यह चिंता सरकार की प्राथमिकता में कहीं नहीं दिखती। इसकी फिक्र भी किसी को नहीं है कि कम उम्र के किशोरों के हाथों में घातक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। हाल के वर्षों में कम उम्र के बच्चों के बीच भी हिंसा की प्रवृत्ति जिस तरह बढ़ी है, यह समाज के लिए बेहद खतरनाक है।नशे की लत का शिकार होने के बाद कई नाबालिग इस समय अपराध के दलदल में धंसते दिख रहे हैं। अगर कुछ किशोर आपराधिक वारदात को बेखौफ अंजाम दे रहे हैं, तो कानून व्यवस्था संभालने वाले जिम्मेदार लोग क्या कर रहे हैं? कानून से लेकर समाज तक, अपराध और अपराधियों के प्रति जरूरी सख्ती न बरतने का ही नतीजा है कि नाबालिगों के कदम अपराध की ओर बढ़ रहे हैं। सरकार और समाज के लिए यह व्यापक चिंता का मसला होना चाहिए।

देश से सशस्त्र माओवादी आतंक का खात्मा हो गया है। लेकिन अर्बन नक्सलियों का माड्यूल अभी भी सक्रिय है। नक्सलवाद-माओवाद के खूनी पंजों ने चारो ओर कैसे दहशत फैला रखी थी? उसकी गवाह हर वो तारीख़े हैं जब-जब हमारे वीर जवानों ने माओवादियों से लोहा लिया। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में, बस्तर में सुख-शांति के लिए अपना बलिदान दे दिया। ऐसी ही इतिहास की एक तारीख़ है 6 अप्रैल 2010।

अब नहीं पनपेंगे माओवादी: जरा याद इन्हें भी कर लो

(कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल)

साथ ही छत्तीसगढ़ के कांकेर समेत कई अलग-अलग इलाकों में अर्बन नक्सलियों ने जवानों के बलिदान पर जश्न मनाया।? इस घटना को अर्बन नक्सली कही जाने वाली अरुंधति राय की पुस्तक, रिपोर्टिंग के लिए भी देखा जाना चाहिए। क्योंकि इस घटना वाले दिन से अगले– 19 दिन तक अरुंधति राय दंतेवाड़ा में रुकीं।

देश से सशस्त्र माओवादी आतंक का खात्मा हो गया है। लेकिन अर्बन नक्सलियों का माड्यूल अभी भी सक्रिय है। नक्सलवाद-माओवाद के खूनी पंजों ने चारो ओर कैसे दहशत फैला रखी थी? उसकी गवाह हर वो तारीख़े हैं जब-जब हमारे वीर जवानों ने माओवादियों से लोहा लिया। छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में, बस्तर में सुख-शांति के लिए अपना बलिदान दे दिया। ऐसी ही इतिहास की एक तारीख़ है 6 अप्रैल 2010।

ये तारीख़ याद कर लीजिए। ये वो तारीख़ थी जब दंतेवाड़ा में सीआरपीएफ की 62 वीं बटालियन पर घात लगाकर माओवादी आतंकियों ने हमला किया था। सुकमा (तत्कालीन दंतेवाड़ा) के चिंतागुफा, ताड़मेटला के पास माओवादियों ने क्रूरता की अति कर दी थी। लेकिन जवानों का हौसला कम नहीं था। माओवादियों के साथ हुए संघर्ष में 76 जवानों ने अपना बलिदान दे दिया था। सीआरपीएफ ने वीर बलिदानियों को याद करते हुए लिखा –हमारे 75 श्रेष्ठ जवानों ने 6 घंटे तक चले भीषण संघर्ष में 7 माओवादियों को ढेर किया और 8 को घायल किया, इसके बाद उन्होंने अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया। 500 से अधिक भारी हथियारों से लैस माओवादियों और सैकड़ों सीआरपीएफ से घिरे होने के बावजूद–जो लगभग हर उस स्थान पर लगाए गए थे। जहाँ हमारे जवान शरण लेकर जवाबी कार्रवाई कर सकते थे। उनका साहस अद्वितीय और अविस्मरणीय था।हमारे कुछ वीरों ने अपने साथियों की रक्षा करने और दुश्मन को निष्क्रिय करने के लिए ग्रेनेड पर लेटकर सर्वोच्च बलिदान दिया। अंतिम क्षणों में भी वीर सैनिकों ने अपने हथियार अपने नीचे छिपा लिए।

इस क्रूर हमले का मास्टरमाइंड माड़वी हिड़मा था। इसके बाद जेएनयू में अर्बन नक्सलियों ने जश्न मनाया था। दंतेवाड़ा क्षेत्र में हमले के समय डीआईजी रहे आईपीएस कल्लूरी ने जेएनयू में हमले के बाद हुए जश्न की चर्चा करते हुए कहा था –मुझे काफी दुःख पहुँचा था जब मुझे यह पता चला कि जेएनयू में (कुछ विद्यार्थियों द्वारा) ताड़मेटला में 76 बलिदानी जवानों के बलिदान का जश्न मनाया गया।

साथ ही छत्तीसगढ़ के कांकेर समेत कई अलग-अलग इलाकों में अर्बन नक्सलियों ने जवानों के बलिदान पर जश्न मनाया।? इस घटना को अर्बन नक्सली कही जाने वाली अरुंधति राय की पुस्तक, रिपोर्टिंग के लिए भी देखा जाना चाहिए। क्योंकि इस घटना वाले दिन से अगले– 19 दिन तक अरुंधति राय दंतेवाड़ा में रुकीं। उन्होंने एक रिपोर्ट बनाई थी, जो सेना, प्रशासन और छत्तीसगढ़ सरकार के विरोध में थी। अब आप सोचिए कि जहां एक ओर हमारे 76 जवानों का बलिदान हो गया। वहीं दूसरी ओर अर्बन नक्सली। इसे जीत के तौर पर देख रहे थे। भारत के खिलाफ़ छेड़े गए सशस्त्र युद्ध के इस घटनाक्रम पर जश्न मना रहे थे। सेना, पुलिस और सरकार के खिलाफ़ प्रोपेगैंडा वाली रिपोर्टिंग की जा रही थी। उन्हें खलनायक बताया जा रहा था। जबकि माओवादी आतंकियों की रहनुमाई की जा रही थी।? क्योंकि अर्बन नक्सलियों के लिए माओवादियों के द्वारा जवानों की हत्या–जीत

थी।? इसे वो बड़े माड्यूल के तौर पर फैलाना चाहते थे।

ये ध्यान रखना बहुत जरूरी है कि अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों में कोई विशेष अंतर नहीं है। ये दोनों न तो देश के संविधान को मानते हैं। न ही इनमें राष्ट्र के प्रति कोई निष्ठा है। इनका हमेशा से एक ही उद्देश्य रहा है कि- कैसे भारत में रक्तपात किया जाए। जल-जंगल, जमीन के नाम पर हिंसा की जाए। ये दोनों जनजातीय समाज के, वनवासियों के घोर शत्रु हैं।अर्बन नक्सलियों और सशस्त्र माओवादियों के रक्तपात के चलते ही– सुदूर वनांचल क्षेत्र विकास से बहुत पीछे रह गए। हालांकि जैसा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि– यह अर्बन नक्सल खुद हाथ में हथियार नहीं लेना चाहते, लेकिन गरीबों के हाथ में हथियार देकर अपनी विचारधारा फैलाना चाहते हैं। मगर उनके भी दिन लद गए हैं।

ये कथन इस बात की प्रतिपुष्टि करता है कि हथियारबंद माओवादियों के बाद अगला नंबर अर्बन नक्सलियों का है। जो भी भारत की अखंडता, संप्रभुता और संविधान के खिलाफ़ आएगा। वो बख्शा नहीं जाएगा। मातृभूमि भारतभूमि को हम रक्तरंजित नहीं होने दे सकते।

हमारे वीर जवानों ने सुरक्षा के लिए जिस अदम्य साहस का परिचय दिया है। वर्षों तक माओवादियों की मांद में घुसकर उन्हें नेस्तनाबूद किया है।आज उन वीर बलिदानियों के कारण ही छत्तीसगढ़ खूनी आतंक से बाहर आया है। सशस्त्र माओवादी आतंक का सफाया हो चुका है। अर्बन नक्सली हमेशा से हथियारबंद माओवादियों की ढाल बनकर खड़े रहते थे। अभी भी ये सिलसिला रुका नहीं है। नक्सलवाद के समर्थन में साहित्य लिखते, इंटरव्यू करते, एडिटोरियल लिखते, नाट्य मंचन करते, ढफली बजाते, रैली करते और चिंघाड़ते हुए अर्बन नक्सली नज़र आते थे।? ये मानवाधिकार के नाम पर माओवादी हिंसा को जायज़ ठहराते थे। लेकिन माओवादी आतंकी जिन निर्दोषों की हत्या करते थे। उनके मानवाधिकार पर ये चुप्पी ओढ़ लेते थे। वो माओवादी जो बस्तर के जनजातीय समाज का दमन करते थे। स्थानीय लोगों के जवान बच्चों और महिलाओं को अर्बन नक्सलियों के कॉन्सेप्ट पर उठा ले जाते थे। फिर उनके हाथों में हथियार थमा देते थे। रक्तपात कराते थे। बस्तर के वो बच्चे जिन्हें हाथों में किताबें थामनी थीं। अर्बन नक्सलियों, माओवादियों ने - उन्हें बंदूक पकड़ने के लिए मजबूर किया। उनका बचपन, घर-परिवार और समाज सबकुछ छीन लिया। बारूदी गंध की ज़िंदगी जीने को विवश किया। भोले-भाले, सरल हृदय जनजातीय समाज को अपने ही समाज का दुश्मन बना दिया। माओवादियों ने उन्हें रक्तपात करने का हथियार बनाने का जघन्य अपराध किया। क्या इनसे किसी भी प्रकार की सहानुभूति की दिखाई जा सकती है ?

आज जिस माड़वी हिड़मा को अर्बन नक्सली हीरो बना रहे हैं। अर्बन नक्सली जिस हिड़मा के लिए नारे लगा रहे हैं। मत भूलिए कि वो आतंकी इन 76 जवानों की हत्या का असल मास्टरमाइंड था। माड़वी हिड़मा वो खूंखार आतंकी था जिसने न जाने कितने घर-परिवार उजाड़ दिए। न जाने कितने निर्दोषों को गोली से भून दिया।? नृशंसता के साथ सिलसिलेवार ढंग से हत्याओं को अंजाम दिया। अब, उस हिड़मा को महान बलिदानी भगवान बिरसा मुंडा से जोड़ने का अपराध, अर्बन नक्सली कर रहे हैं। बिरसा मुंडा जिन्होंने राष्ट्रीय अस्मिता के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। ईसाई मिशनरियों, अंग्रेज़ों की नाक में दम कर दिया। स्वतंत्रता, जनजातीय अस्मिता, भारत की संस्कृति और कन्वर्जन के ख़िलाफ़ जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी। अगर कोई भी भगवान बिरसा मुंडा से हिड़मा जैसे माओवादी क्रूर हत्यारे को जोड़ता है तो ये सबसे बड़ा अपराध है। यह हमारे आदर्शों, हमारी संस्कृति, जनजातीय समाज का घोर अपमान है। ये किसी भी कीमत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

अब भी जो लोग माओवाद के समर्थन में लोगों को बरगलाते दिखाई दें। जो हिड़मा जैसे माओवादी आतंकी को ग्लोरीफाई करते दिखें। जो ये विमर्श करते दिखें कि– अजी ! जल-जंगल जमीन के लिए नक्सलवाद फिर से वापस आ सकता है। ऐसे में ये तय मानिए कि या तो ये अर्बन नक्सली हैं। याकि ये अर्बन नक्सलियों के नैरेटिव के ट्रैप में फंस गए हैं। याकि ये किसी पॉलिटिकल लाइन को एड्रेस कर रहे हैं। देश समेत छत्तीसगढ़ से माओवादी आतंक का सफ़ाया ये बता रहा है कि- अगर दृढ़ इच्छाशक्ति हो। संकल्प हो। समाज के लिए बेहतरी की चिंता हो तो कोई भी लक्ष्य कठिन नहीं हो सकता है। हमारे सुरक्षाबल, हमारे गौरव हैं। उनके असंख्य बलिदानों के प्रति ये राष्ट्र और समाज अपनी कृतज्ञता प्रकट करता है। हमारा छत्तीसगढ़, हमारे बस्तर की माटी और उसकी संतानें अब सृजन का नया विहान रच रही हैं। अब बस्तर में बारूद की गंध कभी नहीं लौटेगी। हमारा पूरा समाज-एक साथ खड़ा है। बस्तर के युवाओं के कंधों पर अब वहां की शिक्षा-रक्षा, स्वास्थ्य-रोजगार, विकास की कमान है। जो अभावग्रस्त हैं। उन तक अब सारे संसाधन तेजी से पहुंचेंगी। वीर गुंडाधुर, भगवान बिरसा मुंडा, दंतेश्वरी माई की संतानें अब मूल को पहचानकर सृजन के गीत गा रही हैं। प्रकृति की लय ताल के साथ एकाकार होकर शांत और सुरम्य तस्वीरें रच रही हैं। (लेखक (साहित्यकार, स्तंभकार एवं पत्रकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गाजा और ईरान युद्ध के बाद अरब देशों का भरोसा अमेरिका से उठा

चीन-रूस पर बढ़ा

(नीरज कुमार दुबे)

खाड़ी देशों ने दशकों तक अमेरिका को अपने यहां सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति देकर यह भरोसा किया था कि इससे उनकी सुरक्षा मजबूत होगी और वह किसी भी बाहरी खतरे से सुरक्षित रहेंगे। लेकिन ईरान के साथ हालिया युद्ध ने इस धारणा को गहरे स्तर पर झकझोर दिया है।

मध्य पूर्व आज बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का ज्वलंत उदाहरण बन चुका है। जिस अमेरिका ने दशकों तक इस क्षेत्र को अपनी रणनीतिक मुट्ठी में रखा, वही आज यहां अपनी पकड़ खोता नजर आ रहा है। पहले गाजा में तबाही और अब ईरान युद्ध से उपजे हालात अरब देशों को गहरी चिंता में डाल गये हैं। गाजा में हमले और ईरान युद्ध से लाखों लोग बेघर हुए, हजारों जिंदगियां खत्म हुईं और पूरे क्षेत्र में तबाही का मंजर फैल गया। इस सबसे अरब दुनिया के लोगों के दिल और दिमाग में बड़ा बदलाव आया है। हम आपको बता दें कि अरब दुनिया में अब अमेरिका के लिए भरोसा लगभग खत्म हो चुका है। जनता उसे एक पक्षीय, अवसरवादी और नैतिक रूप से कमजोर शक्ति के रूप में देख रही है। इसके उलट चीन और रूस को अधिक संतुलित और भरोसेमंद विकल्प माना जाने लगा है। लोग अब यह मानने लगे हैं कि अमेरिका अंतरराष्ट्रीय कानून की बात केवल तब करता है जब उसे फायदा हो। अरब देश यह भी देख रहे हैं कि गाजा अब भी मलबे में दबा है और वहां पुनर्निर्माण की कोई ठोस पहल नजर नहीं आती। इसके अलावा, इस युद्ध की सबसे भारी कीमत खाड़ी देशों को चुकानी पड़ रही है। पर्यटन, जो उनकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, वह बुरी तरह हिल गया है। अनुमान है कि पर्यटन राजस्व में 13 अरब से 32 अरब डॉलर तक की गिरावट आ सकती है। यह गिरावट तब हो रही है जब 2024 में इन देशों ने पर्यटन से 120 अरब डॉलर का राजस्व कमाया था। इतना ही नहीं, एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अरब देशों को इस युद्ध से करीब 200 अरब डॉलर तक का कुल नुकसान हो सकता है। यानी यह सिर्फ आर्थिक झटका नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संकट का संकेत है।

इसके अलावा, खाड़ी देशों ने दशकों तक अमेरिका को अपने यहां सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति देकर यह भरोसा किया था कि इससे उनकी सुरक्षा मजबूत होगी और वह किसी भी बाहरी खतरे से सुरक्षित रहेंगे। लेकिन ईरान के साथ हालिया युद्ध ने इस धारणा को गहरे स्तर पर झकझोर दिया है। हकीकत यह सामने आई कि यही अमेरिकी अड्डे खाड़ी देशों के लिए सबसे बड़ा जोखिम बन गए। ईरान ने सीधे तौर पर उन ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बनाया जहां अमेरिकी मौजूदगी थी और इसके चलते हमले खाड़ी देशों की जमीन पर हुए। नतीजा यह हुआ कि नुकसान केवल अमेरिका का नहीं, बल्कि खाड़ी देशों का भी हुआ और उनकी सुरक्षित निवेश गंतव्य तथा स्थिर क्षेत्र की छवि को गहरा आघात पहुंचा। इसलिए सबसे गंभीर सवाल यह उठता है कि जब संकट की घड़ी आई तो अमेरिका अपने ही सैन्य अड्डों के आसपास स्थित देशों को पूर्ण सुरक्षा नहीं दे सका। ऐसे में अब यह बहस तेज हो रही है कि क्या खाड़ी देश भविष्य में अमेरिका को अपने यहां सैन्य मौजूदगी जारी रखने देंगे या वह इस मॉडल पर पुनर्विचार करेंगे। यह घटनाक्रम पूरी दुनिया को यह संदेश भी देता है कि किसी बाहरी शक्ति को अपने भूभाग पर सैन्य अड्डे देने की कीमत कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए मध्य पूर्व में आने वाले समय में रणनीतिक स्तर पर बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अरब देश समझ रहे हैं कि अमेरिका की अगुवाई वाली व्यवस्था अब दरक रही है। अरब देश अब खुलकर या चुपचाप अपने विकल्प तलाश रहे हैं। चीन और रूस के साथ रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। रक्षा सहयोग बढ़ रहा है, व्यापारिक साझेदारियां गहरी हो रही हैं और नए बहुपक्षीय मंचों की ओर झुकाव साफ दिख रहा है। साथ ही खाड़ी देशों ने युद्ध से पहले अमेरिका को चेताया था, लेकिन उनकी अनदेखी की गई। अब जब वह खुद नुकसान झेल रहे हैं, तो वह अपने निवेश और गठबंधनों पर दोबारा सोचने को मजबूर हैं। देखा जाये तो अमेरिका की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी इजराइल के प्रति अंध समर्थन बन चुकी है। अरब जनता इसे अन्याय और दोहरे मापदंड के रूप में देखती है। लोगों का मानना है कि अमेरिका ने न तो मानवाधिकारों की रक्षा की और न ही अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन किया। यही कारण है कि अब चीन को ज्यादा जिम्मेदार और संतुलित शक्ति माना जा रहा है। यह अमेरिका के प्रभाव के खत्म होने का संकेत है।

आधुनिक दौर की परवरिश, क्यों बच्चों में घट रहे हैं संस्कार और जिम्मेदारी

विडंबना यह है कि दूसरों को दोष देने के बजाय बच्चों के संरक्षक के रूप में वे अपनी भूमिका कितनी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं, आमतौर पर इस पर आत्मचिंतन और आत्म-समीक्षा नहीं करते हैं।अब वैसे संयुक्त परिवारों के समाप्त हो जाने का दौर चल रहा है, जिनमें दादा-दादी बच्चों में संस्कार के बीज रोपा करते थे, चाचा-चाची बच्चों को प्यार-दुलार करके उनके भावनात्मक विकास में सहभागी बनते थे। बच्चे अपने परिजनों की देखरेख में एक स्वस्थ माहौल में पलते-बढ़ते थे। अब एकल परिवार का जमाना है, जहां कई बार पति और पत्नी, दोनों ही कामकाजी होते हैं। वे सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं और शाम को देर से थक कर घर आते हैं।

(रेखा शाह अरबी)

बच्चों को दुनिया में कैसे जीना है और किसके साथ कैसा व्यवहार करना है और अपने अंदर कैसे आत्मविश्वास पैदा करना है, यह सब भी बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। एकल या छोटा परिवार होने का सबसे ज्यादा नुकसान बच्चे ही उठाते हैं। सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों में संस्कार, शिष्टाचार, विनम्रता, बड़ों के प्रति आदर भाव, देश और परिवार के प्रति जिम्मेदारी और नैतिक मूल्य भरे हों। मगर जब वे अपने बच्चों के भीतर इन मूल्यों का अभाव देखते हैं, तो कई बार चिंता में घिर जाते हैं, सोच में पड़ जाते हैं कि आखिर चूक कहां पर हो रही है। इस क्रम में जब कुछ समझ में नहीं आता है, तो आसान से शब्दों में इसका हल तलाशते हैं कि जमाना ही खराब है, इसीलिए बच्चे बिगड़ रहे हैं। विडंबना यह है कि दूसरों को दोष देने के बजाय बच्चों के संरक्षक के रूप में वे अपनी भूमिका कितनी जिम्मेदारी के साथ निभा रहे हैं, आमतौर पर इस पर आत्मचिंतन और आत्म-समीक्षा नहीं करते हैं।अब वैसे संयुक्त परिवारों के समाप्त हो जाने का दौर चल रहा है, जिनमें दादा-दादी बच्चों में संस्कार के बीज रोपा करते थे, चाचा-चाची बच्चों को प्यार-दुलार करके उनके भावनात्मक विकास में सहभागी बनते थे। बच्चे अपने परिजनों की देखरेख में एक स्वस्थ माहौल में पलते-बढ़ते थे। अब एकल परिवार का जमाना है, जहां कई बार पति और पत्नी, दोनों ही कामकाजी होते हैं। वे सुबह जल्दी घर से निकल जाते हैं और शाम को देर से थक कर घर आते हैं।

इस बीच बच्चा किसी अन्य की देखरेख में होता है। इसी वजह से बच्चों का बचपन आज अकेलेपन से घिरता जा रहा है। छोटा-सा परिवार अगर कभी इकट्ठा भी होता है, तो रात में सोने से पहले भोजन के समय ही। वहां भी सीमित समय में एक-दूसरे से सीमित बातचीत होती है। परिवार में एक-दूसरे से संवाद की भारी कमी रहती है। उधर बच्चों के मन में जो उधेड़बुन चल रही

होती है, उससे उसे अकेले ही निपटना पड़ता है। यह स्थिति बच्चों को जिद्दी, बदतमीज और उद्दंड बनाती है। वह अपनी हताशा इन्हीं तरीकों से निकालता है। जब बच्चे की बात कोई नहीं सुनता है, तो वह अपनी बात सुनाने के लिए कई बार गलत तरीका अपना लेता है।

एक समस्या यह है कि अब परिजन और यहां तक कि माता-पिता भी संवाद करने के बजाय टीवी, स्मार्टफोन, टैब, कंप्यूटर में अपने आप को व्यस्त रखते हैं। बच्चों की देखभाल अधिकतर आया करती है या वह देखभाल केंद्र में संभाला जाता है। बच्चों का अधिकांश समय उनके अपने परिजनों के बिना व्यतीत होता है, जिससे उन पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

कोई भी बच्चा सब कुछ सीख कर धरती पर जन्म नहीं लेता है। वह अपने आसपास के लोगों से, अपने माता-पिता से ही सीखता है। अफसोस की बात है कि अब बच्चों को माता-पिता का साथ ही कम मिल रहा है। बाहर से वह जो कुछ भी सीखता है, वह उसके पास जैसे का तैसे के रूप में आता है। यानी उन बातों में गलत बातें भी रहती हैं, सही बातें भी रहती हैं। बच्चा इस बात में अंतर नहीं कर पाता है कि क्या गलत है और क्या सही है। इसीलिए अगर बच्चों में मूल्यों और संवेदनशीलता की कमी है, तो उसके लिए सबसे ज्यादा परिजन ही होते हैं।

जहां तक स्कूलों का सवाल है, वे बच्चों को अक्षर ज्ञान तो दे सकते हैं, लेकिन उन्हें व्यावहारिक और सामाजिक ज्ञान, शिष्टाचार, लोकाचार आदि नहीं सिखा सकते हैं। यह सब बच्चा आमतौर पर परिवार में ही सीखता है। कई बार ऐसा होता है कि जो बच्चे बहुत छोटी उम्र से खेल-स्कूल, देखभाल केंद्र और आया की देखभाल में रहते हैं, वह बहुत छोटी-छोटी बातें भी नहीं सीख पाते हैं। वे व्यावहारिक ज्ञान से बिल्कुल ही अनभिज्ञ रहते हैं और अपनी हर जरूरत के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं।

बच्चों को दुनिया में कैसे जीना है और किसके साथ कैसा व्यवहार करना है और अपने अंदर कैसे आत्मविश्वास पैदा करना है, यह सब भी बच्चे माता-पिता से ही सीखते हैं। एकल या छोटा परिवार होने का सबसे ज्यादा नुकसान बच्चे ही उठाते हैं। न उन्हें अच्छी परवरिश मिल पाती है और न ही भरपूर प्यार-दुलार ही मिल पाता है। वे अपनी परंपरा अपने तीज-त्योहार से भी अपरिचित ही रह जाते हैं।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है कि माता-पिता उनके साथ पर्याप्त समय बिताएं। अपनी आर्थिक महत्त्वाकांक्षा का भुगतान उनसे न करवाएं। उनको उनके हिस्से का प्यार-दुलार, प्रेम और सुरक्षा प्रदान करें और साथ ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना भी माता-पिता की ही महत्त्वपूर्ण जिम्मेदारी है। ईमानदारी, अनुशासन, सहनशीलता, दूसरों का सम्मान, जिम्मेदारी जैसे अच्छे गुण बच्चों को बचपन से ही सीखने में सहयोग करना चाहिए। जब बच्चे अपने माता-पिता और अपने परिजनों को सच्चाई, मेहनत और विनम्रता, सादगी के साथ जीवन जीता हुआ देखते हैं, तो वे भी वही आदतें अपना कर खुद ही ये सब चीजें सीखते रहते हैं। एक अच्छे संरक्षक और माता-पिता को बच्चे अपनी मानसिक परेशानियां बिना झिझक के बता देते हैं। यह उनके भावनात्मक विकास में सहयोगी बनता है। माता-पिता का दायित्व केवल बच्चों की भौतिक जरूरतें पूरी करना नहीं है, बल्कि उन्हें एक अनुशासित, शिक्षित, संस्कारी और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखना भी माता-पिता की ही जिम्मेदारी है। जब माता-पिता अपने कर्तव्यों को जिम्मेदारी, समझदारी और संवेदनशीलता से निभाते हैं, तो बच्चे एक जिम्मेदार, शिष्टाचार से लैस और सभ्य नागरिक बनते हैं। हमें इतना जरूर ध्यान रखना चाहिए कि अपनी सुविधा का खयाल रखते-रखते कहीं बच्चों के साथ अन्याय न कर दें। बचपन की मौलिक जरूरतें हर बच्चे की पूरी होनी चाहिए.

गारका में मामा ढाबा के खिलाफ लामबंद हुए ग्रामीण, एक हफ्ते में नहीं बंद हुआ तो ढाबा तोड़ने की चेतावनी

केशकाल। केशकाल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत गारखा में संचालित मामा ढाबा को बंद करवाने को लेकर पूरे गांव में आक्रोश का माहौल बन गया है। एनएच-30 के किनारे चल रहे इस ढाबे के खिलाफ अब ग्रामीण एकजुट हो गए हैं और पंचायत के माध्यम से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उक्त ढाबे में खुलेआम शराब परोसी जाती है और ऐसी गतिविधियाँ संचालित होती हैं, जिनका गांव के युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इससे गांव का माहौल बिगड़ रहा है और सामाजिक वातावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

स्थानीय सरपंच मुकेश मंडावी ने बताया कि ग्राम पंचायत की ओर से ढाबा संचालक को कई बार समझाइश और चेतावनी दी जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद वह ढाबा बंद करने को तैयार नहीं है। लगातार अनदेखी से नाराज ग्रामीणों ने अब अंतिम निर्णय लेते हुए ढाबा संचालक को एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय के भीतर ढाबा बंद नहीं किया गया, तो पंचायत स्तर पर कठोर कदम उठाते हुए ढाबे को तोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।उपसरपंच शीला निषाद ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा कई बार बैठक कर निर्णय पारित किया जा चुका है। पंचायत की ओर से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित एवं मौखिक शिकायत कर समस्या से अवगत कराया गया है, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार की प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि संबंधित ढाबा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से बनाया गया है, जिसको लेकर राजस्व विभाग से अतिक्रमण हटाने की मांग भी की गई है।

ग्राम सभा में पारित हुआ प्रस्ताव

गांव के सरपंच, उपसरपंच समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणों की मौजूदगी में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि उक्त मामा ढाबा को तत्काल हटाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन समय रहते कार्रवाई नहीं करता है, तो गांव की पंचायत स्वयं सख्त रुख अपनाने को मजबूर होगी। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले में क्या कदम उठाता है और क्या ग्रामवासियों की मांग पर अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है या नहीं।

अंबेडकर जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत बम्हनी में विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

कोण्डागांव। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर ग्राम पंचायत बम्हनी में विधिक जागरूकता शिविर हुआ आयोजन। कार्यक्रम में प्रतिधारक अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट, अधिकार मित्र पारेश्वर देवांगन, रंजन बैध, संदीप कुमार गुलशन कुमार नेताम, तीरथ कुमार मानिकपुरी के द्वारा प्रदत्त संवैधानिक अधिकारों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। साथ ही आम अधिकारों के विभिन्न कानूनों, शासन की योजनाओं तथा न्याय प्राप्ति की प्रक्रिया के बारे में सरल एवं प्रभावी तरीके से जानकारी प्रदान की गई। शिविर के दौरान बाल अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण, तथा निःशुल्क विधिक सहायता एवं महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया तथा महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने एवं किसी भी प्रकार के अन्याय के विरोध आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही बच्चों के अधिकारों एवं शिक्षा के महत्व पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। अंतः में उपस्थित सभी लोगों ने डॉ. भीमराव अम्बेडर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने, समाज में समानता, न्याय एवं भाईचारे को बढ़ावा देने तथा विधिक जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया।

हथियार नहीं, हुनर से बदल रही पुनर्वासितों की जिंदगी इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में दिया जा रहा प्रशिक्षण

कोण्डागांव। जिले में राज्य शासन की पुनर्वास नीति से पुनर्वासित व्यक्तियों की जिंदगी को नई दिशा मिल रही है। कभी हिंसा के रास्ते पर भटके युवा अब मुख्यधारा में लौटकर कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम कुधुर के तुलसी राम, रजमन एवं गोबरू वर्तमान में जिले में संचालित पुनर्वास केन्द्र में रहकर लाइवलीहुड कॉलेज के माध्यम से इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। तुलसी राम कश्यप ने बताया कि पूर्व में क्षेत्र में भय और असुरक्षा के माहौल के कारण वे संगठन से जुड़ गए थे, किन्तु राज्य शासन की पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर उन्होंने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। वर्तमान में वे पुनर्वास केन्द्र में रहकर कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में वायरिंग का दो माह का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें लगभग 15 दिवस का प्रशिक्षण पूर्ण हो चुका है। प्रशिक्षण उपरांत वे अपने क्षेत्र में ही स्वरोजगार के रूप में वायरिंग कार्य प्रारंभ करने की योजना बना रहे हैं। इसी प्रकार रजमन एवं गोबरू ने भी पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। वर्तमान में वे भी इलेक्ट्रीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनका कहना है कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे अपने गांव में स्वरोजगार स्थापित कर आय अर्जित करेंगे एवं अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। तीनों युवाओं ने राज्य शासन की पुनर्वास नीति के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से उन्हें नया जीवन प्रारंभ करने का अवसर मिला है। पहले जहां भय एवं अस्थिरता का माहौल था, वहीं अब वे सुरक्षित वातावरण में प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पण करने वाले व्यक्तियों को मुख्यधारा से जोड़ते हुए उन्हें कौशल विकास, रोजगार एवं आजीविका के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा संचालित पुनर्वास केन्द्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां पूर्व में भटके हुए युवाओं को प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में पुनः स्थापित किया जा रहा है।

बस्तर में 'रेड कॉल सेंटर' के जरिए हर प्रसव होगा सुरक्षित 30 दिनों तक मां-बच्चे की होगी डिजिटल केयर

सुकमा। बस्तर जिले में सुरक्षित मातृत्व की अवधारणा को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन और यूनिसेफ ने एक अत्यंत संवेदनशील और अनूठी पहल की शुरुआत की है। सुरक्षित मातृत्व दिवस के अवसर पर जिला कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में महारानी अस्पताल में 'रेड (रिचिंग एवरी डिलिवरी) कॉल सेंटर' का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस गौरवपूर्ण क्षण को और भी विशेष बनाते हुए कलेक्टर ने स्वयं पहल की और अस्पताल में उपस्थित एक नवजात शिशु की माता को सादर आमंत्रित कर उनके हाथों से ही इस केंद्र का उद्घाटन करवाया। यह हृदयस्पर्शी दृश्य इस सशक्त संदेश का प्रतीक बना कि मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी समस्त सरकारी योजनाएं वास्तव में माताओं के समर्पण के लिए हैं और उनकी सक्रिय सहभागिता ही इन प्रयासों को सफल बनाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत संचालित हरिक मांय, हरिक पिला (खुश मां, खुश बच्चा) पहल के माध्यम से अब बस्तर की हर गर्भवती महिला तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। " जैसा कि इसके नाम 'रेड' यानी 'रिचिंग एवरी डिलिवरी' से स्पष्ट होता है।

कांग्रेसियों ने मनाया बाबा साहेब की जयंती

सुकमा। भारत के प्रथम विधि एवं न्याय मंत्री, संविधान निर्माता, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर नमन करते हुए, उनके आदर्शों को अपनाकर समानता, न्याय और सामाजिक सद्भाव को मजबूत बनाने का संकल्प लेकर कांग्रेस पार्टी ने किया नमन। जिला मुख्यालय में स्थित भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा में बाबा भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन के शुभ अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प माला अर्पण कर संविधान निर्माता को किया गया याद। कार्यक्रम की इस दौरान नगर अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन बाबा भीमराव अंबेडकर के आदर्शों को संबोधित किया उन्होंने कहा, बाबा भीमराव अंबेडकर के आदर्श का हम पालन करते हुए महात्मा गांधी के सिद्धांत में चलकर गरीबों और दलितों के हक अधिकार की लड़ाई के लिए हम सदैव तत्पर रहेंगे, आज देश में संविधान की रक्षा की लड़ाई कांग्रेस पार्टी के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लड़ रहे हैं, पूरे देश की कांग्रेस पार्टी और उनके कार्यकर्ता देश के संविधान की रक्षा कर संविधान में दिए गए अधिकारों का पालन करते हुए हर एक न्यायिक लड़ाई लड़ेंगे। कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष शेख सत्तार, नगर कांग्रेस के अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन बाबा, जिला पंचायत सदस्य गीता कवासी, नगर पालिका के पार्षद शेख नजीर, पूर्व पार्षद शेख गुलाम, कोषा अध्यक्ष कैलास साहू, उपाध्यक्ष रहुफ सिद्की, सतेंद गुप्ता, सचिव सामोनियल टुडु मौजूद रहे।

छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान ने 41वीं खान सुरक्षा पखवाड़ा में चमकाया परचम एवं विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते

नारायणपुर। छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान मेसर्स जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड जिला नारायणपुर ने खनन सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए 41वीं वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा समारोह के समापन समारोह में बी1 श्रेणी की खानों के अंतर्गत तीन महत्वपूर्ण पुरस्कार हासिल किए।

विस्फोटक हैंडलिंग प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार तथा विद्युत इंस्टॉलेशन, खान प्रकाश व्यवस्था एवं एचईएमएम कार्यशाला में तृतीय पुरस्कार इसके अतिरिक्त, हमारे कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने विभिन्न श्रेणियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। एक्सकेवेटर ऑपरेटर में प्रथम पुरस्कार, प्राथमिक उपचारदाता में तृतीय पुरस्कार, वेल्डर में तृतीय पुरस्कार, टिपर ऑपरेटर में द्वितीय पुरस्कार एवं माइनिंगमेट में तृतीय पुरस्कार जीता। जिसकी सराहना डाइरेक्टर ऑफ माइंस सेफ्टी बिलासपुर रीजन -2 के द्वारा किया गया। यह सफलता हमारी टीम के कठोर प्रशिक्षण, जोखिम मूल्यांकन और नवीनतम सुरक्षा प्रोटोकॉल के सतत कार्यान्वयन का प्रमाण है, जो

कर्मियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करता है।इस भव्य पुरस्कार वितरण समारोह में खदान का प्रतिनिधित्व करते हुए आशीष कुमार मिश्रा (उपाध्यक्ष खान), प्रदीप कुमार(खनन प्रबंधक) तथा रंजन कुमार पटेल (प्रबंधक मेकैनिकल) ने डायरेक्टर ऑफ़ माइंस सेफ्टी, बिलासपुर रीजन -2, राकेश सिंह के कर कमलों से पुरस्कार ग्रहण किया। जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड प्रबंधन ने कहा, ये पुरस्कार हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। छोटेडोंगर लौह अयस्क खदान खनन उद्योग में शून्य दुर्घटना लक्ष्य की ओर अग्रसर रहेगी, जिसमें सभी हितधारकों का सहयोग अहम है। प्रबंधन ने सभी विजयी टीम सदस्यों, पर्यवेक्षकों एवं सहयोगियों को बधाई दी है। भविष्य में और अधिक उपलब्धियों के साथ खनन सुरक्षा के मानकों को ऊंचा उठाने का संकल्प लिया।

मुंबई बंदरगाह अग्निकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि, नगर सेना ने निकाली जागरूकता रैली

कोण्डागांव। नगर सेना कोण्डागांव द्वारा अग्नि सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर हुए भीषण अग्निकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। अग्नि सुरक्षा सप्ताह का उद्देश्य आमजन को अग्नि सुरक्षा, जागरूकता एवं आगजनी की घटनाओं की रोकथाम के प्रति सचेत करना है। इसी क्रम में नगर सेना कोण्डागांव के अधिकारियों एवं जवानों ने हेलमेट पहनकर बाइक रैली निकाली तथा लोगों को सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। रैली में दमकल वाहन भी शामिल रहा, जिसने सायरन बजाते हुए नगर वासियों का ध्यान आकर्षित किया और अग्नि सुरक्षा के महत्व का संदेश दिया। इस दौरान नगर सेना के जवानों ने नागरिकों से आग से बचाव एवं सुरक्षा उपायों का पालन करने की अपील की।

कस्तूरमेटा से 25-30 किमी का कठिन सफर—पहले बाइक, फिर पैदल पहाड़, नदी-नाले और पगडंडियों को पार कर आलबेड़ा पहुंचा प्रशासन

कलेक्टर ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, परंपरागत स्वागत के बीच सभी के साथ किया पारंपरिक पेज-भात का भोजन

नारायणपुर। 'सुशासन आपके द्वार' अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन की टीम ने अबूझमाड़ के अत्यंत दुर्गम क्षेत्र आलबेड़ा में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। कस्तूरमेटा से लगभग 25-30 किलोमीटर का कठिन सफर तय करते हुए प्रशासनिक अमला पहाड़ी रास्तों, घने जंगलों तथा नदी-नालों को पार कर गांव तक पहुंचा। इस दौरान अधिकारियों ने पहले मोटरसाइकिल से तथा तत्पश्चात पैदल चलकर गांव तक पहुंच सुनिश्चित की। ग्राम पंचायत कुतुल के ग्राम आलबेड़ा में प्रशासन के पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों, लोकगीतों एवं मांदरी की थाप के साथ आत्मीय स्वागत किया गया। कलेक्टर के प्रथम आगमन से ग्रामीणों में विशेष उत्साह परिलक्षित हुआ। शिविर के दौरान प्रशासनिक टीम ने पेड़ के नीचे ग्राम चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा उनसे सीधे संवाद किया।

इस अवसर पर कलेक्टर नम्रता जैन एवं प्रशासनिक टीम द्वारा ग्रामीणों के साथ बैठकर पारंपरिक पेज-भात का भोजन ग्रहण किया गया। सरपंच कुतुल रामजी वरदा द्वारा बताया गया की इससे प्रशासन और ग्रामीणों के बीच आत्मीयता का वातावरण बना तथा आपसी विश्वास और संवाद को और सुदृढ़ता मिली। दौरे के दौरान एक प्रेरणादायक क्षण भी सामने आया, जब गांव की कक्षा तीसरी की छात्रा सुखमती ने कलेक्टर से संवाद करते हुए भविष्य में स्वयं कलेक्टर बनने की इच्छा व्यक्त की। इस मासूम लेकिन दृढ़ अभिव्यक्ति ने वहां उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया और यह संदेश दिया कि ऐसे प्रयास बच्चों के सपनों को नई दिशा दे रहे हैं। जनचौपाल में ग्रामीणों द्वारा सड़क, पेयजल, विद्युत, मोबाइल नेटवर्क, शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित मांगें प्रस्तुत की गई। कलेक्टर द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु आश्वस्त किया गया। शिविर में स्वास्थ्य, खाद्य, राजस्व एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा स्टॉल स्थापित कर विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों का परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण भी किया गया। जिला प्रशासन द्वारा अवगत कराया गया कि 'सुशासन आपके द्वार' अभियान के माध्यम से दुर्गम क्षेत्रों तक शासकीय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है तथा भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद विकास कार्यों को गति दी जा रही है। इस अवसर पर सरपंच कुतुल रामजी वरदा, एसडीएम ओरछा डॉ. सुमित गर्ग, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश चतुर्वेदी, खाद्य अधिकारी, एपीओ पवन कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

संपूर्णता अभियान 2.0 अंतर्गत दक्षिण भारतीय नाश्ता आयोजन

कोण्डागांव। संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत, राज्य नीति आयोग की संयुक्त संचालक डॉ. भावना दीक्षित द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास के भ्रमण के दौरान बच्चों के पोषण में विविधता लाने हेतु एक दिन दक्षिण भारतीय नाश्ता प्रदान करने के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देश के परिपालन में नीति आयोग कंसल्टेंट संतोष कुमार सितारे की अध्यक्षता में कोंडागांव स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास में बच्चों को नाश्ते में दक्षिण भारतीय व्यंजन प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा उन्हें संतुलित एवं विविध आहार के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में पोषण स्तर में सुधार एवं भोजन में विविधता सुनिश्चित करना है।

संक्षिप्त समाचार

एलटीटी-सांतरागाछी-एलटीटी के मध्य 02-02 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालन

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एलटीटी–सांतरागाछी–एलटीटी के मध्य 02-02 फेरों के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है ।गाड़ी संख्या 01041 एलटीटी–सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन, एलटीटी से दिनांक 17 एवं 24 अप्रैल 2026 को चलेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01042 सांतरागाछी–एलटीटी स्पेशल ट्रेन, सांतरागाछी से दिनाँक 19 एवं 26 अप्रैल 2026 को चलेगी 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है गाड़ियों की समय सारिणी– गाड़ी संख्या 01041 एलटीटी–सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन, एलटीटी से दिनांक 17 एवं 24 अप्रैल 2026 को सुबह 11.50 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया आगमन 03.28 बजे, प्रस्थान 03.30 बजे, दुर्ग आगमन 05.30 बजे, प्रस्थान 05.35 बजे, रायपुर आगमन 06.10 बजे, प्रस्थान 06.15 बजे, बिलासपुर आगमन 08.05 बजे, प्रस्थान 08.15 बजे होते हुये 20.30 बजे सांतरागाछी स्टेशन पहुंचेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01042 सांतरागाछी–एलटीटी स्पेशल ट्रेन, सांतरागाछी से दिनाँक 19 एवं 26 अप्रैल 2026 को 05.30 बजे रवाना होगी तथा तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये बिलासपुर आगमन 16.05 बजे, प्रस्थान 16.15 बजे, रायपुर आगमन 18.10 बजे, प्रस्थान 18.15 बजे, दुर्ग आगमन 19.05 बजे, प्रस्थान 19.10 बजे, गोंदिया आगमन 21.38 बजे, प्रस्थान 21.40 बजे होते हुये दूसरे दिन 12.30 बजे एलटीटी स्टेशन पहुंचेगी । कोच संरचना– इस स्पेशल ट्रेन में 01 पावरकार, 01 एसएलआरडी, 04 सामान्य, 09 स्लीपर, 06 एसी–ड्डड्ड, 01 एसी–ड्ड सहित कुल 22 एलएचबी कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी। वाणिज्यिक ठहराव –रास्ते में ये गाड़ियाँ दोनों दिशाओं में ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, भुसावल, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर तथा खड़गपुर स्टेशनों पर रुकेगी

पुणे-सांतरागाछी-पुणे के मध्य 02-02 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पुणे- सांतरागाछी पुणे के मध्य 02-02 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है ।गाड़ी संख्या 01441 पुणे–सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन पुणे से दिनांक 17 एवं 25 अप्रैल 2026 को चलेगी 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01442 सांतरागाछीड्डपुणे स्पेशल ट्रेन सांतरागाछी से दिनाँक 19 एवं 27 अप्रैल 2026 को चलेगी 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है गाड़ियों की समय सारिणी– गाड़ी संख्या 01441 पुणे–सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन पुणे से दिनांक 17 एवं 25 अप्रैल 2026 को सुबह 10.00 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन गोंदिया आगमन 04.08 बजे, प्रस्थान 04.10 बजे, दुर्ग आगमन 06.10 बजे, प्रस्थान 06.15 बजे, रायपुर आगमन 06.50 बजे, प्रस्थान 06.55 बजे, बिलासपुर आगमन 08.45 बजे, प्रस्थान 09.00 बजे होते हुये 21.00 बजे सांतरागाछी स्टेशन पहुंचेगी इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01442 सांतरागाछीड्डपुणे स्पेशल ट्रेन सांतरागाछी से दिनाँक 19 एवं 27 अप्रैल 2026 को 15.45 बजे रवाना होगी तथा तथा मार्ग के अन्य मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये दूसरे दिन बिलासपुर आगमन 04.10 बजे, प्रस्थान 04.20 बजे, रायपुर आगमन 06.05 बजे, प्रस्थान 06.10 बजे, दुर्ग आगमन 07.00 बजे, प्रस्थान 07.05 बजे, गोंदिया आगमन 09.15 बजे, प्रस्थान 09.17 बजे होते हुये तीसरे दिन 05.15 बजे पुणे स्टेशन पहुंचेगी ।कोच संरचना–इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी, 16 स्लीपर, 02 एसी–ड्डड्ड, सहित कुल 20 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी । वाणिज्यिक ठहराव – रास्ते में ये गाड़ियाँ दोनों दिशाओं में दौंड कॉर्ड केबिन, अहिल्या नगर, मनमाड, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, चक्रधरपुर, टाटानगर तथा खड़गपुर स्टेशनों पर रुकेगी

उधना-सांतरागाछी-उधना के मध्य 03-03 फेरे के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

बिलासपुर। ग्रीष्मकाल के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें सहज, सुगम और कंफर्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उधना–सांतरागाछी–उधना के मध्य 03–03 फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है ।गाड़ी संख्या 09073 उधना–सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन का परिचालन उधना से दिनांक 17, 22 एवं 24 अप्रैल 2026 को किया जाएगा 7 इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09074 सांतरागाछी–उधना स्पेशल ट्रेन का परिचालन सांतरागाछी से दिनाँक 19, 24 एवं 26 अप्रैल 2026 को किया जाएगा 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशनों में दिया गया है गाड़ियों की समय सारिणी–गाड़ी संख्या 09073 उधना–सांतरागाछी स्पेशल ट्रेन

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में गूंजा महिला सशक्तिकरण का स्वर

रैली में उमड़ा उत्साह, मिस कॉल और हस्ताक्षर के जरिए दिया अपना समर्थन

■ 33 प्रतिशत भागीदारी पर महिलाओं ने प्रधानमंत्री के प्रति जताया आभार

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में आज नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का भव्य आयोजन लालबहादुर शास्त्री स्कूल स्थित देवकीनंदन दीक्षित सभागार में किया गया। कार्यक्रम में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत महिलाओं को विधानसभा और लोकसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के प्रावधान का स्वागत करते हुए कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में महिलाएं महापौर श्रीमती पूजा विधानी एवं राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडे की अगुवाई में शामिल हुईं। सभागार महिलाओं की भारी उपस्थिति से खचाखच भरा रहा और पूरे कार्यक्रम में उत्साह का वातावरण बना रहा। महापौर श्रीमती पूजा विधानी ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है, जो उन्हें निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का यह प्रावधान महिलाओं के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन को अभूतपूर्व बढ़ावा मिला है और यह अधिनियम महिलाओं के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती हर्षिता पांडे ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम आधी आबादी को पूरा हक देने का कार्यक्रम है, जो महिलाओं को समान अधिकार, सम्मान और नेतृत्व के अवसर प्रदान कर राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति में नारी को सदैव शक्ति, साहस और सृजन का प्रतीक माना गया है। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता की भावना को आत्मसात करते हुए यह पहल महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगा। उन्होंने बिलासपुर को शक्ति की पावन भूमि बताते हुए कहा कि यहां आदिशक्ति मां महामाया विराजमान हैं, जिनकी कृपा से महिलाओं को निरंतर प्रेरणा और ऊर्जा मिलती है। साथ ही उन्होंने वीरांगना बिलासा देवी का स्मरण करते हुए कहा कि यह धरती नारी साहस और स्वाभिमान की गौरवशाली परंपरा की साक्षी रही है, जिसे आज की महिलाएं आगे बढ़ा रही हैं। कार्यक्रम को श्रीमती वंदना उईके एवं श्रीमती लता राठौर ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में ब्रम्हकुमारी दीदी विनीता भगनानी ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर श्रीमती स्नेहलता शर्मा, श्रीमती गायत्री साहू, प्रिया सिंह, गौरी गुप्ता, श्रीमती नागेश्वरी साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मधुलिका सिंह, डीएसपी नूपुर उपाध्याय, डीएसपी मंजुलता केरकेट्टा, श्रीमती रेणुका पिंगले, महिला पार्षद श्रीमती सुनीता जगत, रेखा सूर्यवंशी, कमला पुरषोत्तम, रूपाली गुप्ता, संगीता परिहार, रेखा पांडे, श्रीमती मनोरमा सहित हजारों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

बाईक रैली निकालकर महिलाओं ने जताया अभूतपूर्व समर्थन

सभा के बाद शहर में नारी शक्ति वंदन रैली का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। रैली का नेतृत्व महापौर पूजा विधानी एवं महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पांडे ने किया। रैली लाल बहादुर शास्त्री स्कूल से प्रारंभ होकर गोलबाजार, सदर बाजार, प्रताप चौक, राम सेतु चौक होते हुए अरपा रिवर व्यू स्थित अटल परिसर में संपन्न हुई। रैली के दौरान महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई और जागरूकता के संदेश दिए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मुख्यमंत्री ने किया जिले में 16 नए कृषि सेवा सहकारी समितियों का वर्चुअल शुभारंभ

■ किसानों को अपने गांव में ही ऋण, बीज और विपणन की सुविधा

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सहकार से समृद्धि योजना के अंतर्गत प्रदेश की 515 प्राथमिक कृषि साख सेवा सहकारी समितियों का वर्चुअल शुभारंभ किया, जिसमें बिलासपुर जिले की 16 समितियां भी शामिल हैं। जिले में शुरू हुई नई समितियों में विकासखण्ड कोटा के आमागोहन, दारसागर, अमाली, पोड़ी, पचरा, तखतपुर के कोड़ापुरी, लमेर, पड़रिया, बिल्हा के चुमकवा, अकलतरी, बेलतरा तथा मस्तूरी के शिवटिकारी, सुकुलकारी, धनगंवा, सरसेनी और जलसो शामिल हैं। इन समितियों के माध्यम से किसानों को स्थानीय स्तर पर फसल ऋण (केसीसी), बीज एवं खाद वितरण, धान उपार्जन और नगद लेन-देन की सुविधा मिलेगी। साथ ही सीएससी केंद्रों के जरिए आधार, पैन, आयुष्मान भारत, बिजली बिल भुगतान, बैंकिंग, बीमा सहित 300 से अधिक नागरिक सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इस पहल से किसानों को धान बेचने एवं कृषि कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, समय और लागत की बचत होगी तथा सहकारिता के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है। इस अवसर पर विभिन्न नए समितियों के शुभारंभ कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, श्री कृष्णमूर्ति बांधी, पूर्व विधायक, श्री प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, श्री मोहित जायसवाल, श्री निरंजन पैकरा सदस्य जिला पंचायत, श्रीमती सूरज सायेलाल भारद्वाज,जनपद अध्यक्ष कोटा, श्रीमती सरोज साहू नगर पंचायत अध्यक्ष कोटा, लवकुश कश्यप अध्यक्ष नगरपालिका रतनपुर, श्रीमती अंबिका साहू जिला पंचायत सदस्य श्रीमती माधवी वस्त्रकर जनपद अध्यक्ष तखतपुर श्री भारती माली जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ललिता कश्यप उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती अनुसूया कश्यप जिला पंचायत सदस्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सहकारी समितियों के सदस्य और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का 135 वां जन्म दिवस दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा मुख्यालय में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 135 वां जन्म दिवस आज दिनांक 15 अप्रैल 2026 को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम मे महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के द्वारा भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर माल्यार्पण किया गया । इस अवसर पर डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जीवनी पर प्रकाश डाला गया कि बाबा साहब ने इतिहास के पन्नों में उन्हे संविधान के मुख्य शिल्पकार के रूप में याद किया जाता है । डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी ने जीवन के हर क्षेत्र - सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक में लोकतंत्र के पक्षधर थे । दलितों, नारियों, गरीबो एवं असहायों एवं मसीहा के रूप में याद किए जाते हैं । वे भारत माँ के यशस्वी सपूत थे । उन्होंने यह भी आह्वान किया कि बाबा साहेब के जन्म दिवस के इस पावन अवसर पर आज हम सब संकल्प लें कि रेल सेवा के माध्यम से हमें जो देश सेवा करने का अवसर प्राप्त हुआ है उसे हम पूरे समर्पण, सदभावना, निष्ठा व ईमानदारी से पूर्ण करेंगे । उक्त गरिमामय आयोजन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्ष एवं समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें ।

रेल सुविधाओं की अनदेखी पर कोरबा में बढ़ा आक्रोश,बड़े आंदोलन की चेतावनी

कोरबा। रेल व्यवस्थाओं की लगातार अनदेखी को लेकर कोरबा में अब जन असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। शहर के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और श्रमिक नेताओं ने एकजुट होकर रेल प्रबंधन के खिलाफमोर्चा खोलने के संकेत दिए हैं। उन्होंने साफचेतावनी दी है कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा। कोरबा विकास समिति (रेल) के बैनर तले होटल महाराजा में आयोजित सर्वदलीय बैठक में रेल सेवाओं की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता जताई गई। वक्ताओं ने कहा कि कोरबा जैसे महत्वपूर्ण औद्योगिक जिले के साथ लगातार उपेक्षापूर्ण व्यवहार किया जा रहा है, जो अब बर्दाश्त के बाहर हो चुका है। बैठक में बताया गया कि कोरबा से चलने वाली ट्रेनों को अक्सर बीच रास्ते घंटों तक रोका जाता है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्टेशन पर खड़ी ट्रेनों में कोयले की धूल और गंदगी की समस्या भी बनी रहती है। इसके अलावा रेलवे फाटक के बार-बार बंद रहने से शहर की यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। एक गंभीर मुद्दा यह भी सामने आया कि कई ट्रेनें कोरबा से आगे जाने के बाद वापस नहीं लौटतीं और बिलासपुर में ही उनका संचालन समाप्त कर दिया जाता है। इससे यात्रियों को अनावश्यक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लंबे समय से नई ट्रेनों की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। बैठक में कोरबा की सांसद ज्योत्सना महंत सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में कहा कि अब चुप बैठने का समय समाप्त हो चुका है।

समय-सीमा बैठक में पेयजल व्यवस्था, जल संरक्षण और पौधरोपण की समीक्षा

■ जल संरक्षण के कार्यों में जनभागीदारी पर कलेक्टर ने दिया जोर

बिलासपुर। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने समय-सीमा की बैठक में भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में जिले में पेयजल की स्थिति की जानकारी लेते हुए जनपद सीईओ से समस्या वाले गांवों का विवरण प्राप्त किया और उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बिल्हा के 13, मस्तूरी के 18 और कोटा के 7 पंचायतों में पेयजल की समस्या की स्थिति है। कलेक्टर ने कहा कि कार्ययोजना के अनुरूप इन क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने जल स्रोतों के रिचार्जिंग के उपायों पर ध्यान देने तथा इस संबंध में आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल संरक्षण कार्यों मे जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय स्तर पर सहभागिता बढ़ाने पर भी जोर दिया।पौधरोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निजी उद्योगों को भी इस अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े आकार के पौधों के रोपण एवं उनके संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए, जिससे उनकी जीवित रहने की संभावना अधिक रहे। कलेक्टर ने वर्ष 2026-27 के बजट में शामिल कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को स्थल निरीक्षण कर डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि योजनाएं व्यवस्थित रूप से क्रियान्वित हो सकें। उन्होंने भू-अर्जन से संबंधित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।बैठक में कार्य पूर्ण होने पर भुगतान की प्रक्रिया को सुगम बनाए रखने, जनगणना कार्य की प्रगति, निष्क्रिय खातों, पीएम पोर्टल, सीएम जनदर्शन एवं कानून व्यवस्था की भी समीक्षा की गई।

श्री रामलला दर्शन के लिए श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए रवाना

■ आस्था स्पेशल ट्रेन से बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं ने शुरू की यात्रा

■ केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। आज बिलासपुर रेलवे स्टेशन से श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आस्था स्पेशल ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने श्रद्धालुओं से भरी विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग सिंह मौजूद थे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने इस अवसर पर कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की आस्था और विश्वास का सम्मान है, जिसके माध्यम से समाज के हर वर्ग को प्रभु श्रीराम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की संवेदनशील सोच और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण का सशक्त उदाहरण है। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर गाजे-बाजे, पारंपरिक नृत्य, तिलक, फूल-मालाओं और पुष्प वर्षा के बीच श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के चेहरों पर उल्लास और श्रद्धा के भाव थे। अयोध्या धाम के साथ-साथ वे श्रद्धालु काशी विश्वनाथ के भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालु बिलासपुर के श्रीकांत गुप्ता, तखतपुर के बलदाऊ गुप्ता और बिलासपुर निवासी श्रीमती कुवंरिया बाई ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि श्री रामलला के दर्शन करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है, जो मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए इतनी सुव्यवस्थित और सम्मानजनक व्यवस्था एक सपना साकार होने जैसा है। मुख्यमंत्री श्री साय की संवेदनशीलता के कारण आज अनेक महिलाओं को श्री रामलला के दर्शन का अवसर प्राप्त हो रहा है, जिसके लिए वे उनके प्रति कृतज्ञ हैं। अन्य दर्शनार्थियों ने भी इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय और भावनात्मक क्षण बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि इस विशेष ट्रेन में बिलासपुर जिले के 225 श्रद्धालु भी शामिल हैं। श्री रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत श्रद्धालुओं के लिए अयोध्या आने-जाने, ठहरने, मंदिर दर्शन, नाश्ता एवं भोजन की संपूर्ण व्यवस्था की गई है। साथ ही यात्रा के दौरान टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मियों एवं चिकित्सकों का दल भी श्रद्धालुओं के साथ मौजूद रहेगा।

जशपुर में बड़ी कार्रवाई: 112 किलो गांजा जब्त, दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफबड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध गांजा बरामद किया है। इस दौरान दो अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया, जो ओडिशा से गांजा लेकर उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। जब्त गांजे की कीमत करीब 54 लाख रुपये आंकी गई है, जबकि वाहन समेत कुल जब्ती लगभग 56 लाख रुपये बताई जा रही है। यह मामला पत्थलगांव थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ओडिशा के संबलपुर से गांजे की बड़ी खेप छत्तीसगढ़ के रास्ते उत्तर प्रदेश भेजी जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन की निगरानी शुरू की।

दोपहर करीब 2 बजे एक संदिग्ध टोयोटा कार (छ्रु-3ष्ठक्र-5298) को रोकने की कोशिश की गई, लेकिन चालक ने वाहन को तेज गति से भगाने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया, जिसके दौरान कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने नाले में फंस गई। इसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को मौके पर ही पकड़ लिया। वाहन की तलाशी में पुलिस को 7 प्लास्टिक बोरियों में छिपाकर रखे गए 108 पैकेट गांजा मिले, जिनका कुल वजन 112 किलो 770 ग्राम था।

हिंदू धर्म में सतुवाई अमावस्या का विशेष महत्व

वैशाख माह की अमावस्या हिंदू धर्म में एक अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण तिथि मानी जाती है। इसे विशेष रूप से पितरों की शांति और पारिवारिक सुख-समृद्धि के लिए मनाया जाता है। इस अमावस्या को सतुवाई अमावस्या भी कहा जाता है। इस दिन श्रद्धालु अपने पूर्वजों को याद कर उनका तर्पण करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अमावस्या का यह दिन पितृ कार्यों के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। इस अवसर पर लोग दान-पुण्य करते हैं। पूजा पाठ करते हैं और घर में सकारात्मक ऊर्जा तथा शांति बनाए रखने की प्रार्थना करते हैं। माना जाता है कि इस दिन किए गए शुभ कार्यों से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में सुख समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। आइए जानते हैं सतुवाई अमावस्या की तिथि, मुहूर्त और पूजा विधि के बारे में।

सतुवाई अमावस्या तिथि और मुहूर्त

वैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि प्रारंभ: 16 अप्रैल रात्रि 08:11 बजे से
वैशाख कृष्ण पक्ष अमावस्या तिथि समाप्त: 17 अप्रैल, सायं 05:21 बजे पर
उदयातिथि के अनुसार वैशाख अमावस्या 17 अप्रैल को मनाई जाएगी।
अभिजित मुहूर्त- प्रात: 11:55 से दोपहर 12:47 तक
अमृत काल- प्रात: 09:50 से प्रात: 11:18 तक

सतुवाई अमावस्या पर पितरों की शांति के लिए तर्पण

सतुवाई अमावस्या हिंदू धर्म मे विशेष महत्व माना जाता है। इसे वैशाख अमावस्या के रूप मे भी जाना जाता है। इस दिन पितरो की शांति के लिए तर्पण और श्राद्ध करने की परंपरा है। ऐसा करने से पितर प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते है। इस दिन पवित्र नदियों मे स्नान करना, जैसे गंगा स्नान, बहुत शुभ माना जाता है। इससे पापो का नाश होता है और मन को शुद्धि मिलती है। गर्मी के मौसम की शुरुआत होने के कारण इस दिन सत्तू, घड़ा या मटका और पंखा जैसी वस्तुओं का दान करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन लोग सात्विक भोजन करते हैं और सत्तू, तिल, गुड़ और जल से तर्पण करते है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन किए गए पितृ कार्यों से घर मे सुख शांति समृद्धि और मानसिक संतोष बना रहता है।

सतुवाई अमावस्या पर क्या करें

सतुवाई अमावस्या के दिन ब्रहम मुहूर्त मे उठकर गंगा स्नान करें यदि संभव न हो तो घर के स्नान जल मे गंगाजल मिलाकर स्नान करना चाहिए स्नान के बाद तांबे के लौटे मे जल, लाल चंदन और फूल डालकर भगवान सूर्य को अर्घ्य दें। इसके बाद दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पितरो के नाम से जल और काले तिल अर्पित करने चाहिए। इसके बाद ॐ पितृभ्य नम: मंत्र का जाप करना चाहिए।
मिट्टी के कलश मे जल भरकर उसके ऊपर सत्तू का पात्र रखकर दान करना शुभ माना जाता है। इस दिन मौसमी फल और वस्त्रों का दान करना भी अत्यंत फलदायी होता है। ब्राह्मणों को भोजन कराना और उनका आशीर्वाद लेना विशेष पुण्य प्रदान करता है। 8 जरूरतमंद लोगों को कच्चा अनाज यानी सीधा दान करना भी बहुत शुभ माना जाता है।

झाड़ू-पोछा करते समय न करें ये गल्तियां..

वास्तु शास्त्र में घर पर झाड़ू-पोछा करने को लेकर भी कुछ खास नियम बताये गए है। अक्सर हम जल्दबाजी में घर की सफाई कर लेते हैं, लेकिन कुछ जरूरी और छोटे-छोटे नियमों को नजरअंदाज कर देते हैं। एक या फिर दो बार से भले ही कोई समस्या न आए, लेकिन जब आप इन गलतियों को बार-बार दोहराने लगते हैं, तो आपके घर पर निगेटिव एनर्जी, स्ट्रेस और पैसों से जुड़ी दिक्कतें होने लग जाती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार जब आप सफाई का सही तरीका अपनाते हैं, तो इससे सिर्फ आपका घर नहीं चमकता, जीवन में सुख-समृद्धि का भी आगमन होता है।

सुबह के समय ही करें घर की सफाई

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको घर मे हमेशा सुबह के समय ही झाड़ू-पोछा करना चाहिए। इस समय को सबसे शुभ माना जाता है। सुबह के समय जब आप घर की सफाई करते है, तो इससे सारी निगेटिव एनर्जी बाहर निकल जाती है और पॉजिटिव एनर्जी आपके घर पर प्रवेश करने लगती है। आपको कभी भी शाम के समय झाड़ू-पोछा नही लगाना चाहिए। शाम को ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती है और आपको पैसों से जुड़ी दिक्कते भी होने लगती है।

झाड़ू को सही जगह पर रखना जरूरी

झाड़ू करने के बाद आपको उसे कभी भी खुली जगह पर या फिर ऐसी जगह पर नहीं रखना चाहिए, जहां सभी उसे देख पाएं। आपको झाड़ू को हमेशा ही सभी की नजरों से दूर छिपाकर रखना चाहिए। वास्तु शास्त्र की अगर माने तो झाड़ू को रखने की सबसे शुभ दिशा दक्षिण-पश्चिम दिशा को माना जाता है। अगर आप गलत जगह पर झाड़ू को रखते हैं तो घर मे झगड़े और स्ट्रेस बढ़ने लगते हैं।

दरवाजे के बाहर न फेंकें कचरा

कुछ लोगो की यह आदत होती है कि झाड़ू लगाने के बाद वे कचरे को घर के बाहर या फिर मुख्य द्वार के पास जाकर रख देते है। वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको ऐसा कभी भी नही करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो घर पर आने वाली पॉजिटिव एनर्जी बाहर ही रुक जाती है। घर को साफ करने के बाद आपको कचरे को हमेशा डस्टबिन मे डाले।

गुरुवार और शुक्रवार को बरतें सावधानी

वास्तु शास्त्र के अनुसार आपको गुरुवार के दिन अपने घर पर कभी पोछा नहीं करना चाहिए। अगर आप इस दिन अपने घर पर पोछा करते हैं, तो घर की सुख समृद्धि पर काफी बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा जब आप शुक्रवार को घर की साफ-सफाई कर रहे हों, तो इस बात का ख्याल जरूर रखें कि आपका घर अच्छी तरह से साफ जरूर हो जाए। शुक्रवार के दिन को हमेशा से मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता रहा है।

होंठों को सॉफ्ट रखने में ये 7 तरह की लिपस्टिक चुनें

मार्केट में मेकअप प्रोडक्ट की ढेर सारी वैराइटी आती है। लड़कियां इन प्रोडक्ट्स को खरीद तो लेती हैं लेकिन सही यूज ना जानने की वजह से वो मनचाहा वाला ग्लो और फिनिशिंग चेहरे पर नहीं दिखती। जैसे की लिपस्टिक, मार्केट में लिपस्टिक की ढेर सारी वैराइटी मिल जाएगी। मैट फिनिश, ग्लॉसी फिनिश, लिक्विड लिपस्टिक। लेकिन काफी कम लड़कियां इन सारी लिपस्टिक को सही वक्त पर यूज करना जानती होगी। तो अगर आपको भी नहीं पता कि ये लिपस्टिक कब लगाएं तो रिजल्ट बेहतर मिलते हैं, तो इस मेकअप इंफ्लूएंसर की बात को जरूर याद रखें।

क्रीमी लिपस्टिक

मार्केट से अगर क्रीमी टाइप वाली लिपस्टिक खरीदकर लाई हैं तो ये रोजाना लगाने के लिए बेस्ट होती है। क्योंकि ये होंठ को सूखने नहीं देती है और आपका होंठ पूरा दिन सॉफ्ट और क्रीमी फिनिश लिए दिखता है।

लिक्विड लिपस्टिक

लिक्विड लिपस्टिक काफी लंबे टाइम तक होंठों पर टिकी रहती है। तो अगर आपके लिप्स ज्यादा ड्राई नहीं होते हैं और पूरे दिन के लिए किसी लिपस्टिक को चुनना चाहती है तो लिक्विड लिपस्टिक बेस्ट हो सकती है।

लिप ग्लॉस

लिप ग्लॉस लिप्स पर शाइन के लिए होता है। ये ज्यादा लंबा टिकेगा या नहीं ये प्रोडक्ट पर डिपेंड करता है। लेकिन अगर आप लिपस्टिक के ऊपर चमक चाहते हैं तो लिप ग्लॉस बेस्ट होगा।

लिप टिंट

जेन जी मे लिप टिंट काफी पॉपुलर है। ये लिप्स पर नेचुरल इफेक्ट देता है। सॉफ्ट पिंक ग्लो होंठों पर नजर आता है

लिप क्रेयॉन

लिप क्रेयॉन आमतौर पर उन लड़कियों के लिए बेस्ट है जो होंठों पर थोड़ा क्रिएटिव तरीके से लिपस्टिक लगाना पसंद करती है। आउटलाइन बनाने और लिप्स फिल करने के लिए लिप क्रेयॉन बेस्ट होती है।

मैट लिपस्टिक

फेस पर लिपस्टिक के कलर को खूबसूरती से दिखाना चाहती है, खासतौर पर ब्राइट कलर लगाना है तो मैट लिपस्टिक बेस्ट ऑप्शन है।

शिमरी लिपस्टिक

पार्टी मे अगर आप बोल्ड और गॉर्जियस लुक्स चाहिए तो होंठों पर शिमरी लिपस्टिक लगाएं। इससे लिप्स पर हल्का शिमर इफेक्ट क्रिएट होता है जो लाइट मे शाइन करता है। तो नाइट पार्टी वगैरह मे ये लिपस्टिक बेस्ट इफेक्ट देगी।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज चंद्रमा आपकी राशि के द्वादश भाव मे संचरण करेंगे।आज का दिन मेष राशि वालों के लिए तेज रफ्तार सोच और तुरंत फैसले लेने की स्थिति लेकर आ सकता है। मन में एक साथ कई योजनाएं चलेंगी और आप उन्हें पूरा करने की कोशिश करेंगे। कामकाज मे अचानक बदलाव या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार और समाज में आपकी राय को महत्व मिलेगा। दिन के बीच मे थोड़ी उलझन हो सकती है लेकिन शाम तक स्थिति सुधरेगी।

वृषभ राशि - आज चंद्रमा आपकी राशि के एकादश भाव मे संचरण करेंगे।आज वृष राशि वालों के लिए दिन स्थिरता और धैर्य से आगे बढ़ने का रहेगा। आप धीरे-धीरे अपने कामों को सही दिशा में ले जाएंगे। लंबे समय से अटके काम आगे बढ़ सकते हैं। आर्थिक मामलों में सुधार की संभावना है।

मिथुन राशि - आज चंद्रमा आपकी राशि के दशम भाव मे संचरण करेंगे।आज मिथुन राशि वालों के लिए दिन काफी एक्टिव, व्यस्त और बातचीत से भरा रहेगा। आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स लोगों पर अच्छा असर डालेंगी और नए कॉन्टैक्ट बनाने का मौका मिलेगा। कामकाज मे कई चीजे एक साथ संभालनी पड़ सकती है, जिससे थोड़ा मानसिक दबाव महसूस होगा। हालांकि दिन के अंत तक कई काम पूरे होने से संतोष मिलेगा।

कर्क राशि -आज चंद्रमा आपकी राशि के नवम भाव मे संचरण करेंगे।आज कर्क राशि वालों के लिए दिन भावनाओं और सोच से जुड़ा रहेगा। आप परिवार और रिश्तो को लेकर अधिक संवेदनशील महसूस करेंगे और छोटी-छोटी बाते भी गहराई से सोच सकते है। पुरानी यादें मन को प्रभावित करेंगी लेकिन इससे आपको जीवन को समझने का नया नजरिया मिलेगा। कामकाज में धीरे-धीरे स्थिरता आएगी और परिस्थितियां आपके पक्ष मे बनने लगेंगी।

सिंह राशि - आज चंद्रमा आपकी राशि के आठवें भाव मे संचरण करेंगे।आज सिंह राशि वालों के लिए दिन आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता से भरा रहेगा। आप अपने व्यक्तित्व और फैसलों से लोगों पर प्रभाव डालेंगे। कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं और व्यस्तता बढ़ेगी।

कन्या राशि - आज चंद्रमा आपकी राशि के सातवें भाव मे संचरण करेंगे।आज कन्या राशि वालों के लिए दिन पूरी तरह योजनाबद्ध और व्यवस्थित रहेगा। आप हर काम को ध्यान और परफेक्शन के साथ पूरा करेंगे। कामकाज में सुधार के मौके मिलेंगे लेकिन मन थोड़ा ज्यादा सोच सकता है जिससे हल्का तनाव रह सकता है।

तुला राशि-आज चंद्रमा आपकी राशि के छठे भाव मे संचरण करेंगे।आज तुला राशि वालों के लिए दिन संतुलन और जिम्मेदारियों से भरा रहेगा। आप कई काम एक साथ संभालेंगे और निर्णय लेने मे थोड़ा समय लग सकता है। सामाजिक जीवन सक्रिय रहेगा और लोगों से सहयोग मिलेगा। दिन स्थिर और व्यस्त दोनों रहेगा।

वृश्चिक राशि - आज चंद्रमा आपकी राशि के पंचम भाव मे संचरण करेंगे।आज वृश्चिक राशि वालों के लिए दिन गहरी सोच, मजबूत फैसलों और बदलाव के संकेत लेकर आ सकता है। आप किसी महत्वपूर्ण निर्णय पर गंभीरता से विचार करेंगे और परिस्थितियों को गहराई से समझने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि- आज चंद्रमा आपकी राशि के चौथे भाव मे संचरण करेंगे।आज धनु राशि वालों के लिए दिन उत्साह, यात्रा और नई योजनाओं से भरा रहेगा। आपका मन सकारात्मक रहेगा और आप कुछ नया शुरू करने की सोच सकते हैं। दोस्तों और सामाजिक जीवन से लाभ मिलने के संकेत हैं।

मकर राशि - आज चंद्रमा आपकी राशि के तीसरे भाव मे संचरण करेंगे।आज मकर राशि वालों के लिए दिन मेहनत, जिम्मेदारी और धैर्य से आगे बढ़ने वाला रहेगा। आप अपने लक्ष्य पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करेंगे और किसी भी स्थिति मे पीछे हटना पसंद नहीं करेंगे।

कुंभ राशि- आज चंद्रमा आपकी राशि के दूसरे भाव मे संचरण करेंगे।आज कुंभ राशि वालों के लिए दिन नए विचार, क्रिएटिविटी और बदलाव की सोच लेकर आएगा। आप कुछ अलग करने की कोशिश करेंगे और नए लोगों से जुड़ सकते हैं। दोस्तों का सहयोग मिलेगा और दिन व्यस्त लेकिन सकारात्मक रहेगा।

मीन राशि- आज चंद्रमा आपकी राशि के पहले भाव मे संचरण करेंगे।आज मीन राशि वालों के लिए दिन भावनात्मक, शांत और अंदरूनी सोच से जुड़ा रहेगा। आप जीवन को गहराई से समझने की कोशिश करेंगे और आध्यात्मिकता की ओर झुकाव बढ़ सकता है। दिन स्थिर रहेगा लेकिन भावनाएं काफी मजबूत रहेंगी।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

कुकर का ढक्कन हर 15 दिनों में जरूर करें साफ

प्रेशर कुकर रसोई में इस्तेमाल होने वाली सबसे जरूरी चीजों में से एक है। दाल-चावल हों या आलू उबालने हों, किचन के कई काम कुकर में फटाफट हो जाते हैं, लेकिन अगर इस कुकर की साफ-सफाई का ध्यान ठीक से ना रखा जाए तो ये बड़ा खतरा भी साबित हो सकता है। जी हां, सफाई सिर्फ इसे साबुन से धोने पर ही नहीं खत्म हो जाती, बल्कि कुकर के ढक्कन यानी लिड की सफाई का खासतौर से ध्यान रखना पड़ता है। दरअसल कुकर के ढक्कन पर अक्सर गंदगी, तेल-भाप और चिकनाई जम जाते हैं, जो वेंट यानी सीटी वाली जगह को ब्लॉक कर सकते हैं। यदि इसे ठीक से साफ ना किया जाए तो कुकर में ज्यादा प्रेशर बनने से फटने का खतरा भी हो सकता है।

कुकर के ढक्कन मे जहां सीटी लगाई जाती है, वहां एक छेद होता है जिसे वेंट पाइप कहते है। यही वो हिस्सा है जहां से कुकर की भाप और प्रेशर बाहर निकलते है। लेकिन जब यही हिस्सा जमी हुई गंदगी और चिकनाई से ब्लॉक हो जाता है, तो प्रेशर सही से रिलीज नहीं हो पाता। इससे कुकर मे एक्सट्रा प्रेशर बन सकता है, जिससे कुकर के फटने का रिस्क भी बढ़ जाता है। इसलिए कुकर के ढक्कन को हर 15 दिन मे डीप क्लीन करना बेहद जरूरी है। रोजाना इस्तेमाल के बाद आप कुकर को नॉर्मली साबुन-पानी से वॉश करती ही होंगी। लेकिन हर 15 दिन मे इसकी डीप क्लीनिंग करना बेहद जरूरी है। इसके लिए ढक्कन को सीटी निकालकर हल्के गर्म पानी में 10-15 मिनट के लिए भिगोकर रख दें, पानी मे थोड़ा सा डिशवॉश लिक्विड भी मिला दें। इससे ढक्कन और वेंट पाइप मे जमी सारी चिकनाई साफ हो जाएगी। अब आप इसे नॉर्मली स्क्रब से रगड़कर साफ कर सकती हैं। अब आता है सबसे जरूरी स्टेप- वेंट पाइप यानी जहां सीटी लगती है उस हिस्से की सफाई। इस छेद मे अक्सर गंदगी फंसी रह जाती है, जो धोने के बाद भी नहीं निकलती। इसे क्लीन करने के लिए एक सेफ्टी पिन या सुई लें, फिर इसे सीटी वाले छेद मे डालकर साफ करें। जितने भी छोटे-छोटे छेद हैं, उनमे सेफ्टी पिन डाले और फंसा हुआ कचड़ा साफ कर लें।

बालों की ग्रोथ कैसे बढ़ाएं

अंडे को वैसे तो पूरी सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, लेकिन क्या आपको मालूम है कि ये बालों का सबसे अच्छा दोस्त होता है। अंडे में प्रोटीन, बायोटिन, विटामिन D और आयरन भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ये बालों की जड़ों को मजबूत बनाते हैं साथ ही साथ नई ग्रोथ को बढ़ावा देते हैं। ऐसे में अपनी डाइट में अंडे को शामिल करें और हफ्ते में 3-4 अंडे जरूर खाएं।

कुछ परेशानियां तो मानों हर किसी की लाइफ का हिस्सा बन गई हैं, जिनमें से एक है बालों का झड़ना। लड़का हो या लड़की हर कोई इससे परेशान है। इसके लिए लोग तरह-तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं या फिर महंगे ट्रीटमेंट का सहारा लेते हैं, हालांकि इनसे भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। ऐसे में अगर आपके बाल बहुत धीरे बढ़ रहे हैं, पतले हो रहे हैं या फिर बहुत ज्यादा टूट रहे हैं तो सिर्फ बाहर से तेल या नुस्खे लगाने से काम नहीं चलेगा।दरअसल में हम में से बहुत लोग जानते हैं कि बालों की असली ग्रोथ अंदर से होती है यानी आपकी डाइट से। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ खास पोषक तत्वों से भरपूर चीजें रोजाना खाने से बालों की लंबाई तेजी से बढ़ती है। अगर आप भी बालों के टूटने से परेशान हैं तो इन चीजों को डाइट में शामिल

पालक और हरी सब्जियां

बचपन से ही बच्चों को हरी सब्जियां खाना सिखाया जाता है, ये न सिर्फ सेहत के लिए अच्छी होती है बल्कि बालो पर भी कमाल का असर दिखाती है। इनमें आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन A और C जैसे पोषक तत्व पाए जाते है, ये बालो को झड़ने से रोकते है साथ ही साथ, इनकी ग्रोथ को तेज करते है। रोजाना पालक, ऐसे मे रोजाना मेथी या सरसों की सब्जी खाएं।

बादाम, अखरोट और अन्य ड्राई फ्रूट्स

हम मे से कई लोग रोजाना ड्राई फ्रूट्स खाते है, जिससे शरीर पर काफी फर्क पड़ता है, इससे हम सिर्फ हम हेल्दी रहते हैं बल्कि बालों को भी नई जान मिलती है। इनमे विटामिन E, जिंक और हेल्दी फैट्स पाए जाते है जो बालों को चमकदार और मजबूत बनाते है। मुट्ठी भर बादाम या अखरोट रोज खाने से बालो की लंबाई और घनापन दोनों बढ़ता है।

मछली या फ्लैक्ससीड

अगर आप नॉनवेज खाते है तो बालों की ग्रोथ के लिए थाली में मछली या फ्लैक्ससीड को जोड़े, इनमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं जो बालों की जड़ों में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाते है और सूजन को कम करते है। अगर मछली नहीं खाते तो रोज 1 चम्मच अलसी के बीज पीसकर दही या सलाद में डालकर खाएं।

दही या दूध

ये बात तो किसी से नहीं छिपी है कि दही या दूध प्रोटीन और विटामिन B5 के अच्छे स्रोत होते है। दही बालों को मजबूत बनाने का काम करता है साथ ही साथ स्कैल्प को हेल्दी रखता है।

गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए खाएं पानी वाले फल

गर्मियों में ताजे फल आपको कई फायदे पहुंचा सकते हैं। खासतौर से वह फल जिनमें पानी की मात्रा अच्छी होती हो। पानी वाले फल आपको डिहाइड्रेशन की समस्या से बचाते हैं। इस दिक्कत से बचना न केवल आपकी एनर्जी के लेवल को बनाए रखने के लिए जरूरी है, बल्कि यह आपके अंगों के सही कामकाज के लिए भी जरूरी है। गर्मियों में ज्यादातर लोग पानी ज्यादा पीने लगते हैं, लेकिन फिर भी एनर्जी की कमी महसूस करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि शरीर में पानी की मात्रा का सही इस्तेमाल होना सिर्फ पानी की मात्रा पर निर्भर नहीं करता बल्कि इस बात पर भी डिपेंड करता है कि शरीर उसका सही इस्तेमाल कैसे करता है। इसलिए ऐसे मौसमी फलों को डायट में शामिल करना चाहिए जिनमे पानी, इलेक्ट्रोलाइट्स, फाइबर और थोड़ी मात्रा में नेचुरल शुगर होती है। ऐसे फल शरीर को लंबे समय तक हाइड्रेटेड रखने और अचानक थकान को रोकने में मदद करते हैं।

1 तरबूज

तरबूज मे 92 प्रतिशत पानी होता है। इसमें लाइकोपीन भरपूर मात्रा मे होता है,ये एक तरह का एंटीऑक्सिडेंट है। गर्मी मे ये हीट स्ट्रेस कम करने का काम करता है। ये फल फ्लूयड बैलेंस करने मे भी मदद करता है। मिड मॉर्निंग या फिर पोस्ट वर्कआउट के बाद इस फल को खाएं। एक दिन मे 200 से 300 ग्राम खा सकते हैं।

2 ताड़गोला

समुद्री जगहों पर मिलने वाला ताड़गोला मे 90 प्रतिशत पानी होता है। शरीर से गर्मी निकालने का काम करता है और नेचुरली ठंडक बनाए रखता है। दोपहर के समय इसका एक या दो पीस खा सकते है।

3 खरबूजा

बाकी फलों की तरह खरबूजे मे भी 90 प्रतिशत पानी होता है। ये एक ठंडा फल है जो बॉडी के तापमान को रेगुलेट करने का काम करता है। पाचन के लिए भी ये फल हल्का होता है। दोपहर के समय इस फल को खाना सबसे अच्छा है।

4 आड़ू

आड़ू मे 89 प्रतिशत पानी होता है, ये गट हेल्थ को सपोर्ट करता है और हाइड्रेशन मे मददगार होता है। इस फल को आसानी से पचा सकते हैं। एक्सपर्ट एक से दो छोटे साइज के आड़ू खाने की सलाह देते हैं। इसे मिड मॉर्निंग या मिड ईवनिंग मे खा सकते है।

5 संतरा

विटामिन सी से भरपूर संतरे मे 86 से 87 परसेंट पानी होता है। इसमें पोटेशियम की मात्रा अच्छी होती है इसलिए ये इलेक्ट्रोलाइट्स बैलेंस करने मे भी मददगार होते हैं। ये थकान को कम करने मे मदद करते है। मिड मॉर्निंग मे इस एक या दो संतरा खा सकते हैं, इसके जूस को अवॉइड करें।

भाजपा का गांव चलो बस्ती चलो अभियान रामपुर में शामिल हुए जिला भाजपा महामंत्री

डोंगरगांव नगर। भारतीय जनता पार्टी के 47 वा स्थापना दिवस के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय संगठन के आव्हान एवं प्रदेश संगठन के निर्देश में गांव चलो बस्ती चलो अभियान जारी है। इसी तारतम्य में अर्जुनी मंडल के अंतर्गत ग्राम रामपुर, किरगी 'ब' में जिला भाजपा महामंत्री डीकेश साहू सम्मिलित होकर सघन जनसंपर्क करके जनता से सीधा संवाद किया। जिला महामंत्री साहू ने बूथ में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं का गमछा एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की केंद्र व राज्य सरकार की जल कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने एवं लाभ दिलाने का प्रयास किया।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष भुवन साहू, नपंअध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, जपंउपाध्यक्ष मनीष कुमार साहू, गुलशन हिरवानी, चुनेश्वर साहू, विजय जैन, कुलेश्वर निषाद, मामेश साहू, भानु सोनी, मनीष पटेल, यतीश सिन्हा, कमल साहू व दीपक साहू उपस्थित थे।

महिला आरक्षण की गूंज के बीच बालोद जिला पंचायत में 'कुर्सी कांड' अध्यक्ष की सीट पर बैठे सरपंच संघ पदाधिकारी, तारणी चंद्राकर भड़कीं

पंचायत मंत्री, संभागायुक्त और कलेक्टर से शिकायत की चेतावनी, भाजपा जिलाध्यक्ष ने भी कहा- दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई

बालोद। देशभर में जहां संसद से लेकर सड़कों तक नारी वंदन अधिनियम और महिलाओं को आरक्षण देने की चर्चा गूंज रही है, वहीं बालोद जिला पंचायत में हुई एक घटना ने पूरे जिले की राजनीति में भूचाल ला दिया है। जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर जिला सरपंच संघ के अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों के बैठने और जिला पंचायत के सभाकक्ष में सरपंच संघ की बैठक आयोजित होने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस घटना से नाराज जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर ने तीखे तेवर अपनाते हुए इसे लोकतंत्र, महिला सम्मान और संवैधानिक व्यवस्था का खुला अपमान बताया है। उन्होंने साफ कहा कि यह घटना बेहद गंभीर है और दोषियों पर तत्काल कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला सरपंच संघ बालोद की आवश्यक बैठक रखी गई थी। जिसमें सरपंचों की विभिन्न समस्याओं और शासन की योजनाओं के अलावा विभिन्न मुद्दों को लेकर विचार विमर्श में साथ चर्चा हुई। अब इस बैठक की अनुमति किसने और क्यों दी ये एक बड़ा सवाल है..?

अध्यक्ष बोलीः महिला सम्मान पर चोट, नियमों की उड़ाई धज्जियां

जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर ने कहा कि एक तरफ देश में महिलाओं को अधिकार और प्रतिनिधित्व देने की बात हो रही है, वहीं दूसरी तरफ बालोद में निर्वाचित महिला अध्यक्ष की कुर्सी पर ऐसे लोग बैठ रहे हैं, जो किसी संवैधानिक पद पर नहीं है। यह सिर्फ नियम विरुद्ध नहीं, बल्कि महिला जनप्रतिनिधियों के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली घटना है। उन्होंने कहा कि जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सीईओ की कुर्सियों पर बैठना किसी आम व्यक्ति या गैर संवैधानिक संस्था के पदाधिकारियों का अधिकार नहीं है। यह संस्थागत गरिमा का सवाल है। तारणी चंद्राकर ने दो टूक शब्दों में कहा कि जो भी लोग उनकी, उपाध्यक्ष और सीईओ की कुर्सी पर बैठे हैं, उन पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही जिन अधिकारियों या कर्मचारियों ने जिला पंचायत सभाकक्ष में इस गैर संवैधानिक संस्था की बैठक होने दी, उन पर भी जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की शिकायत पंचायत मंत्री, संभागायुक्त और कलेक्टर से की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो।

भाजपा जिलाध्यक्ष भी भड़के, बोलेः लोकतांत्रिक संस्था का अपमान-

मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जिला पंचायत सभाकक्ष में सरपंच संघ की बैठक को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि जिला पंचायत जैसी संवैधानिक संस्था की गरिमा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बैठक आयोजित कराने वालों और इसकी अनुमति देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि आगे कोई भी ऐसी दुस्साहसिक हरकत न कर सके।

जिले की राजनीति में गरमाया माहौल

घटना सामने आने के बाद जिला पंचायत परिसर से लेकर राजनीतिक गलियारों तक चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। महिला नेतृत्व, संवैधानिक पदों की गरिमा और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर यह मामला अब तूल पकड़ चुका है। अब सबकी नजर प्रशासन पर टिकी है कि आखिर इस 'कुर्सी कांड' पर क्या कार्रवाई होती है और दोषियों पर कब तक गाज गिरती है।

बालोद वन विभाग में दूसरी बड़ी गाजः वन रक्षक के बाद डिप्टी रेंजर भी निलंबित, अवैध लकड़ी तस्करी मामले में लापरवाही पड़ी भारी

बालोद। जिले में अवैध लकड़ी परिवहन मामले में वन विभाग ने लगातार दूसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए डिप्टी रेंजर अजय आष्टिकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इससे पहले इसी मामले में वन रक्षक हिमांशु यादव पर भी कार्रवाई हो चुकी है। विभाग के इस सख्त कदम से पूरे वन अमले में हड़कंप मच गया है। मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अवैध परिवहन की सूचना मिलने के बावजूद समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं करने और आरोपियों को पकड़ने में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण यह निलंबन किया गया है। निलंबन अवधि में अजय आष्टिकर का मुख्यालय वनमंडल कार्यालय बालोद निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

ग्रामीणों ने पकड़ी थी लकड़ी से भरी संदिग्ध गाड़ी

दरअसल 10 अप्रैल को साढ़े 12 बजे डौंडी ब्लॉक के ग्राम धोबनी सीमा मोड़ पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने अवैध लकड़ी परिवहन कर रही एक माजदा वाहन सीजी 24 वी 2088 को रोक लिया था। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलने के बाद वन परिक्षेत्र अधिकारी दल्लीराजहरा की ओर से संबंधित कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। लेकिन मौके पर पहुंचने के बाद भी आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार त्वरित कार्रवाई नहीं की गई, जिसका फायदा उठाकर वाहन चालक लकड़ी से भरे वाहन सहित फरार हो गया। घटनास्थल पर ग्राम पंचायत की सरपंच गोदावरी राणा, जिला पंचायत सदस्य नीलिमा श्याम, अनिल सुथार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। राजस्व विभाग की ओर से हल्का पटवारी कुमारी गुल कोसमा भी मौके पर उपस्थित थीं। वन विभाग के अधिकारियों ने वाहन मालिक और चालक से लकड़ी परिवहन के वैध दस्तावेज और अनुमति पत्र मांगे, लेकिन दोनों कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद विभागीय टीम पंचनामा कार्रवाई की तैयारी में जुट गई।

गाली-गलौज कर फरार हुए थे आरोपी

इसी दौरान आरोपियों ने अधिकारियों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। बताया गया कि उन्होंने अश्लील गाली-गलौज की और वाहन को मोड़कर लाने का बहाना बनाकर अचानक लकड़ियों से भरी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गए थे। वन विभाग की टीम ने पीछा भी किया, लेकिन आरोपी पकड़ में नहीं आए। इस घटना के बाद ग्रामीणों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों में भारी नाराजगी देखी गई। बता दे कि मामले में वन विभाग की शिकायत पर डौंडी थाना पुलिस ने वाहन मालिक पोषण लाल सोनकर और चालक डोमेन्द्र सोनकर के खिलाफभारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 221, 296 और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। हालांकि डौंडी पुलिस उक्त दोनों आरोपियो को गिरफ्तार नही कर पाई है।

डीएफओ की रिपोर्ट के बाद हुई कार्रवाई

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएफओ अभिषेक अग्रवाल बालोद ने पूरी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी थी। रिपोर्ट के आधार पर मुख्य वन संरक्षक ने सोमवार को जिम्मेदार अधिकारी पर सख्त कार्रवाई करते हुए डिप्टी रेंजर अजय आष्टिकर को निलंबित कर दिया। लगातार दो कर्मचारियों पर कार्रवाई के बाद वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि यह कार्रवाई साफ संकेत है कि अवैध तस्करी या ड्यूटी में लापरवाही अब किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

38 नई सेवा सहकारी समितियों का गठन 15 अप्रैल को होगा वर्चुअल शुभारंभ

बेमेतरा। जिला बेमेतरा में किसानों को सशक्त बनाने और सहकारिता व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिले के सभी किसान परिवारों तक सहकारिता की पहुंच सुनिश्चित करने हेतु 38 नई सेवा सहकारी समितियों का गठन किया गया है। इन नवीन समितियों में मर्रा, ओड़िया, पिपरीया, परसबोड़, भटगांव, जानो, लुक, मासुलगोंदी, नवागांवकला, कंदई, तेंदुवा, केशडबरी, हरदी, सांकरा, कुम्ही, लावातरा, भाठसोहरी, आन्दु, परपोड़ा, बसनी, गांगपुर, खैरझिटी, बिटकुली, लालपुर, जांता, बटार, पड़कीडीह, करचुवा, मजगांव, जंगलपुर, गनिया, झुलना, मेहना, कुंवा, चिचोली, एरमशाही, गनियारी, तेन्दुआ एवं झिलगा शामिल हैं।

किसानों को मिलेगी बहुआयामी सुविधाएं

इन नई सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से अब किसानों को खाद, बीज, कीटनाशक, कृषि यंत्र एवं ऋण की सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। साथ ही किसान अपनी उपज जैसे धान, चना, सोयाबीन, सरसों, मसूर आदि को पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक तरीके से समितियों के माध्यम से बेच सकेंगे। समितियों के बहुद्देशीय बनने से आम नागरिकों को भी लाभ मिलेगा। लोक सेवा केन्द्र के रूप में संचालित इन समितियों में बिजली बिल भुगतान, टिकट बुकिंग, मोबाइल रिचार्ज, ऑनलाइन आवेदन, बी-1, खसरा-नक्शा निकालने जैसी दैनिक जरूरतों की सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन एवं सहकारिता मंत्री द्वारा इन नवीन समितियों का वर्चुअल शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले की सभी 38 नई सहकारी समितियों में किया जाएगा।

खरीफ 2026-27 के लिए विशेष कार्यक्रम

इस आयोजन के दौरान खरीफ वर्ष 2026-27 हेतु किसानों को ऋण वितरण, नवीन सदस्यता ग्रहण, खाद वितरण एवं किसान क्रेडिट कार्ड (चएष्ट) बनाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी संपन्न किए जाएंगे।

किसानों से सहभागिता की अपील

कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समिति अध्यक्षों, कर्मचारियों एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रहेगी। जिला प्रशासन द्वारा कार्यक्षेत्र के सभी किसानों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी सेवा सहकारी समिति में उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लें एवं उपलब्ध सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाएं।

गोत्र व्यवस्था से ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना होगी साकार : डॉ सौरव निर्वाणी

बेमेतरा। एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सनातन समाज को पुनः अपनी मूल पहचान गोत्र व्यवस्था की ओर लौटना होगा,यह विचार धर्म स्तंभ काउंसिल के सभापति डॉ सौरव निर्वाणी ने राम जानकी में संत सभा में व्यक्त किए। डॉ निर्वाणी ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को विभाजित करने वाली जाति प्रथा सनातन धर्म का मूल स्वरूप नहीं है, बल्कि यह समय के साथ विकृत रूप में विकसित हुई है,उन्होंने बताया कि प्राचीन वैदिक परंपरा में समाज का संगठन गोत्र और वर्ण व्यवस्था के आधार पर होता था, जो व्यक्ति के कर्म, गुण और संस्कार पर आधारित था, न कि जन्म आधारित भेदभाव पर। उन्होंने आगे कहा कि भारत की प्रत्येक जाति का संबंध किसी न किसी ऋषि परंपरा से जुड़ा हुआ है, जिसे हम 'गोत्र' के रूप में जानते हैं,यदि समाज अपने नाम के साथ गोत्र का प्रयोग प्रारंभ करे, तो यह विभाजित समाज को एक साझा आध्यात्मिक पहचान में जोड़ सकता है। डॉ निर्वाणी ने स्पष्ट किया कि अंग्रेजी शासनकाल के दौरान जनगणना और प्रशासनिक सुविधा के लिए जातियों को स्थायी रूप से वर्गीकृत किया गया, जिससे समाज में स्थायी विभाजन उत्पन्न हुआ,इससे पूर्व समाज में इतनी कठोर जातिगत सीमाएं नहीं थीं। उन्होंने आह्वान किया कि आज समय की आवश्यकता है कि सभी सनातनी जाति के स्थान पर अपने गोत्र का उपयोग करें, जिससे समाज में एकता, समरसता और आत्मीयता का भाव विकसित हो सके। डॉ निर्वाणी का मानना है यह पहल न केवल सामाजिक भेदभाव को समाप्त करेगी, बल्कि पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करेगी। डॉ निर्वाणी के अनुसार, गोत्र व्यवस्था अपनाने से आपसी भाईचारा, सदाचार, प्रेम, परस्पर सहयोग और आश्रय की भावना सशक्त होगी, जिससे समाज अधिक संगठित, संतुलित और सुदृढ़ बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्ण व्यवस्था सनातन धर्म की वैज्ञानिक और संतुलित सामाजिक संरचना है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को उसकी योग्यता और कर्म के आधार पर स्थान मिलता है। इसके विपरीत, जाति आधारित पहचान ने समाज में ऊंच-नीच और भेदभाव को बढ़ावा दिया है, जिसे समाप्त करना समय की आवश्यकता है। धर्म स्तंभ काउंसिल के इस अभियान के माध्यम से देशभर में व्यापक जनजागरण किया जाएगा, जिसमें लोगों को गोत्र व्यवस्था अपनाने, जातिगत भेदभाव त्यागने और सनातन की मूल भावना को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। वक्तव्य का समर्थन करते हुए नवगढ़ राम जानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास ने कहा -यदि सम्पूर्ण सनातन समाज इस दिशा में संगठित प्रयास करता है, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित होगा और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का सपना साकार होगा

जिला अस्पताल कबीरधाम बना भरोसे का केंद्र : स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक सुधार

कवर्धा। जिला अस्पताल कबीरधाम ने बीते दो वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में जो उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, उसने इसे केवल एक सरकारी अस्पताल नहीं, बल्कि आम जनता के भरोसे का मजबूत केंद्र बना दिया है। आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि अस्पताल ने न सिर्फ अपनी सेवाओं का विस्तार किया है, बल्कि गुणवत्ता और विश्वास दोनों स्तरों पर नई पहचान बनाई है। वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग हर प्रमुख स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि अस्पताल की बेहतर कार्यप्रणाली, संसाधनों के विस्तार, आधुनिक मशीनों की उपलब्धता और चिकित्सकीय सेवाओं में सुधार का स्पष्ट संकेत है।

ओपीडी और आईपीडी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी

जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) में 1,19,557 मरीजों ने उपचार लिया था। वहीं जनवरी 2025 से दिसंबर 2025 के बीच यह संख्या बढ़कर 1,64,712 तक पहुंच गई। लगभग 45 हजार से अधिक की यह वृद्धि दर्शाती है कि लोग अब जिला अस्पताल की सेवाओं पर पहले से कहीं अधिक भरोसा जता रहे हैं। इसी तरह आईपीडी (इन पेशेंट डिपार्टमेंट) में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2023 में 11,742 मरीज भर्ती हुए थे, जबकि 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 13,253 तक पहुंच गया। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए भी मरीज अब निजी अस्पतालों की बजाय जिला अस्पताल को प्राथमिकता दे रहे हैं। महिला एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। वर्ष 2023 में 3,001 प्रसव दर्ज किए गए थे, जबकि 2025 में यह संख्या 3,925 तक पहुंच गई। यह वृद्धि अस्पताल में सुरक्षित और व्यवस्थित मातृत्व सेवाओं का प्रमाण है। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं अब आत्मविश्वास के साथ यहां प्रसव के लिए आ रही हैं।

सोनोग्राफी और सिटी स्कैन में बड़ा बदलाव

सोनोग्राफी सेवाओं में तो क्रांतिकारी उछाल देखा गया है। वर्ष 2023 में जहां 874 सोनोग्राफी हुई थी, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर 7,244 तक पहुंच गई। लगभग आठ गुना वृद्धि यह दर्शाती है कि अस्पताल में आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और विशेषज्ञ तकनीशियनों की नियुक्ति से जांच सुविधाएं सुलभ हुई हैं। जुलाई 2025 से अब तक 1,462 लोगों का सिटी स्कैन किया जा चुका है। सिटी स्कैन जैसी आधुनिक सुविधा का जिला स्तर पर उपलब्ध होना मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है, जिससे उन्हें अन्य जिलों में भटकना नहीं पड़ रहा।

एक्स-रे और लैब जांच में भी तेजी-वर्ष 2023 में 9,865 एक्स-रे किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर 13,920 हो गए। वहीं लैब जांच के आंकड़े और भी प्रभावशाली हैं। 2023 में 2,10,186 जांचें की गई थीं।

दो सीईओ की व्यवस्था से जनपद पंचायत बेरला में बढ़ी अव्यवस्था

बेमेतरा। जनपद पंचायत बेरला के समस्त जनपद सदस्यों ने बेमेतरा विधायक दीपेश साहू से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात कर जनपद क्षेत्र में उत्पन्न हो रही विभिन्न प्रशासनिक एवं विकास संबंधी समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान जनपद पंचायत में वर्तमान में कार्यरत दो जनपद सीईओ के बीच समन्वय की स्थिति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें जनप्रतिनिधियों ने कई गंभीर मुद्दे उठाए। विधायक से मुलाकात के दौरान जनपद सदस्यों ने बताया कि एक ही जनपद में दो सीईओ की नियुक्ति के कारण प्रशासनिक कार्यप्रणाली पूरी तरह प्रभावित हो रही है। निर्माण कार्यों की गति धीमी पड़ गई है, विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति में अनावश्यक विलंब हो रहा है तथा बैठकों के आयोजन एवं निर्णय प्रक्रिया में भी लगातार असमंजस और तकनीकी बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं। सदस्यों ने कहा कि दोनों जनपद सीईओ के बीच समुचित समन्वय स्थापित नहीं होने के कारण जनपद सदस्यों, सरपंचों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे न केवल समय की बर्बादी हो रही है बल्कि क्षेत्रीय विकास कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। जनप्रतिनिधियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इस दोहरी व्यवस्था के चलते कार्यों में पारदर्शिता की कमी देखने को मिल रही है। विशेष रूप से सीईओ दीसी मंडावी पर गंभीर आरोप लगाए गए। सदस्यों ने बताया कि विभिन्न निर्माण कार्यों, स्वीकृति प्रक्रियाओं एवं फाइलों के निष्पादन में अनियमितता बरती जा रही है और बिना लेनदेन के कार्यों को आगे नहीं बढ़ाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कुछ दिन पूर्व सरपंच संघ के सदस्यों द्वारा भी सीईओ दीसी मंडावी के विरुद्ध इसी प्रकार के लेनदेन के आरोप लगाए गए थे, जिससे यह मामला और अधिक गंभीर हो गया है। जनपद सदस्यों ने कहा कि यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं की गई, तो विकास कार्य पूरी तरह बाधित हो सकते हैं और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।सभी जनपद सदस्यों ने एक स्वर में इस स्थिति पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए शासन-प्रशासन से मांग की कि तत्काल प्रभाव से स्पष्ट प्रशासनिक व्यवस्था लागू की जाए, एकल जिम्मेदारी तय की जाए तथा आरोपों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि जनपद में पारदर्शी और सुचारू कार्यप्रणाली स्थापित हो सके। बेमेतरा विधायक दीपेश साहू ने जनपद सदस्यों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि इस पूरे मामले को उच्च स्तर पर प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े किसी भी मुद्दे में लापरवाही या अनियमितता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आदु में विकास कार्यों का लोकार्पण भूमिपूजन व कर्मा जयंती महोत्सव

विधायक दीपेश साहू कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

बेमेतरा। ग्राम पंचायत आदु में ग्रामीण इकाई साहू संघ द्वारा आयोजित संत शिरोमणि भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव बड़े ही श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायकदीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि के रूप मे रजक कार बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक उपस्थित रहे इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू सहित समस्त उपस्थित अतिथियों ने भक्त माता कर्मा की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया एवं क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम के दौरान विधायक साहू द्वारा ग्राम आदु में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिनमें 14 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित शासकीय प्राथमिक शाला भवन, 8 लाख रुपये की लागत से निर्मित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भवन, 8 लाख 71 हजार रुपये की लागत से नवनिर्मित किसान सामुदायिक भवन तथा 10 लाख 40 हजार रुपये की लागत से बनने वाले सीसी रोड निर्माण कार्य शामिल हैं। विधायक दीपेश साहू ने कहा कि संत शिरोमणि भक्त माता कर्मा का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज में एकता, सेवा और समर्पण का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। कर्मा जयंती हमें अपनी परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को संजोने और आगे बढ़ाने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसी उद्देश्य के साथ लगातार शिक्षा, सड़क, भवन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्कूल भवनों के निर्माण से बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा, वहीं सामुदायिक भवन ग्रामीणों के सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का केंद्र बनेगा। सीसी रोड निर्माण से आवागमन सुगम होगा और गांव के विकास को गति मिलेगी।स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से लाखों परिवारों को निःशुल्क इलाज की सुविधा मिल रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com